

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 11

© 2012, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम व्याख्यान संख्या ग्यारह में निर्गमन की पुस्तक के पहले चार अध्यायों पर हैं।

ए. प्रश्नोत्तरी पूर्वावलोकन [0:00-0:49]

आज चूँकि हमने अंततः इसे जेनेसिस से बाहर कर लिया है। हम आज निर्गमन की पुस्तक से निपटने जा रहे हैं, और उम्मीद है कि हम इसे इस कक्षा में स्थापित करेंगे। अगली कक्षा में हम निर्गमन की पुस्तक समाप्त कर देंगे। तो, आइए एक्सोडस की किताब के साथ काम शुरू करें और फिर मैं शेष सेमेस्टर में आपसे संपर्क करने का प्रयास करूँगा। अगला गुरुवार महत्वपूर्ण है, यह हमारी पहली परीक्षा है। तो बस इसे ध्यान में रखें। अध्ययन मार्गदर्शिका कल सुबह आ रही है।

बी. निर्गमन का शीर्षक [0:50- 1:26]

निर्गमन शीर्षक का क्या अर्थ है? ग्रीक में एक (या " पूर्व") शब्द "बाहर" या "बाहर" है, यह "बाहर" पूर्वसर्ग है, *ओडोस* का अर्थ है "रास्ता" *एक्सोडोस*, इसलिए यह "बाहर निकलने का रास्ता" है। कमरे से बाहर निकलें। तो निर्गमन का अर्थ है "बाहर निकलने का रास्ता" और निर्गमन की पुस्तक किससे बाहर निकलने के रास्ते के बारे में है? मिस्र से बाहर निकलने का रास्ता। तो यह मिस्र से बाहर निकलने का रास्ता है और मिस्र से बाहर निकलने का रास्ता काफी हद तक पाठ के बारे में है।

सी. निर्गमन में मुख्य आंदोलनों का सर्वेक्षण [1:27- 7:50]

निर्गमन की पुस्तक में मूल रूप से पांच आंदोलन हैं और ये पांच प्रमुख चीजें एक साथ आती हैं। पहला मूसा का जन्म और आह्वान होगा। हम अभी तक मूसा से नहीं मिले हैं, लेकिन निर्गमन की शुरुआत में हम मूसा के जन्म और आह्वान में एक शिशु के रूप में मूसा से मिलते हैं। फिर एक दो/तीन अध्याय मूसा की पुकार पर हैं। इसलिए मूसा शेष पेंटाटेच के लिए एक बड़ा खिलाड़ी बन गया। वैसे जब मैं पेंटाटेच शब्द का उपयोग करता हूँ, तो क्या

आप लोग जानते हैं कि पेंटाटेच क्या है? हाँ, विलियम. हाँ, बाइबल की पहली पाँच पुस्तकें। *पेंटा- पेंटागन* की तरह, इसका अर्थ है "पांच।" पेंटा *ट्यूच* का अर्थ है "पुस्तक।" पाँच किताबें हैं। हालाँकि मुझे यह कहना चाहिए, क्या मूसा ने अपने जीवन में कभी कोई किताब देखी? इसका उत्तर है: ऐसी किताब जिसमें बाइंडिंग हो, किताबों की बाइंडिंग लगभग 100 ईस्वी पूर्व शुरू हुई थी। 100 ई. में हमने किताबें एक साथ जिल्द करके रखनी शुरू कीं। उससे पहले लोगों के पास क्या था? स्क्रॉल. तो मूसा खरों पर लिख रहा होगा। बाइबल में अक्सर जब यह कहा जाता है "वाचा की पुस्तक", तो यह वास्तव में एक स्क्रॉल के बारे में बात कर रहा है। इसे हमारी आधुनिक भाषा में पुस्तक के रूप में अनुवादित किया गया है, इसलिए आपको वहाँ बदलाव करना होगा। अब "मूसा का जन्म और आह्वान," वह पेंटाटेच लिखते हैं, इसलिए वह बाइबिल की पहली पाँच पुस्तकों के लेखक बनने जा रहे हैं।

इसके बाद मिस्र की दस विपत्तियाँ हैं। मूसा मिस्र में चला गया और मूल रूप से इसराइल के भगवान और "भगवान" फिरौन के बीच द्वंद्व में जा रहा है। फिरौन को देवता माना जाता है। मूलतः, प्रश्न यह होगा: क्या यह फिरौन का देवता होगा या यह ईश्वर यहोवा का होगा? क्या आप उस देवता से डरने जा रहे हैं जिसे आप देख सकते हैं, फिरौन जिसके पास रथ है जो आपको कुचल सकता है, या क्या आप उस भगवान से डरने जा रहे हैं जिसे आप देख नहीं सकते हैं। तो मूलतः ईश्वर स्वयं को स्थापित करता है। बहुत सारी विपत्तियाँ फिरौन और ईश्वर के बीच द्वंद्वयुद्ध होने वाली हैं। ईश्वर ने मिस्र की दस विपत्तियों में स्वयं को स्थापित किया। तो हम उन दस विपत्तियों को देखेंगे।

रीड सागर को पार करना एक बड़ी और प्रमुख घटना है जब इज़राइल मिस्र छोड़ता है तो वे रीड सागर को पार करते हैं। मैंने रीड सी को केवल सजावटी वस्तु के रूप में रखा है। आप लोग शायद इसे लाल सागर के नाम से जानते होंगे, लेकिन यह रीड सागर है। हम ठीक से नहीं जानते कि यह कौन सा समुद्र था। हिब्रू शब्द *यम सुफ़* है जिसका अर्थ है "नरकट का सागर।" हिब्रू पाठ में "लाल सागर" नहीं कहा गया है, हिब्रू पाठ में "नरकट का सागर" कहा गया है। इसलिए मैं रीड सागर कहता हूँ। इसलिए वे रीड सागर को पार करते हैं, भगवान पानी को विभाजित करते हैं, वे पार जाते हैं, मिस्रवासी डूब जाते हैं, यह बहुत

बड़ी बात है। इसलिए रीड सागर को पार करना इज़राइल के लिए बहुत बड़ी बात है, तभी वे वास्तव में मिस्र छोड़ेंगे। मुझे इसे ख़त्म करने दीजिए और हम इसके बारे में थोड़ी और बात करेंगे।

तम्बू अगला है। एक बार जब वे रीड सागर पार कर जाते हैं तो वे जंगल में निकल जाते हैं। परमेश्वर ने उनसे उसके लिये एक तम्बू बनाने को कहा ताकि वह उनके बीच में निवास कर सके। तो आपको यह तम्बू संरचना मिलती है जिसे हमने बहुत सारे विवरणों पर छोड़ दिया है क्योंकि प्रत्येक बोर्ड और प्रत्येक तख़्ता मापा जाता है। वे इसका बहुत विस्तार से वर्णन करते हैं। क्या कोई पेंसिल्वेनिया के लैंकेस्टर क्षेत्र से है? वहाँ नीचे एक वास्तविक तम्बू की संरचना है, है ना? मुझे बताया गया है कि लैंकेस्टर क्षेत्र में कुछ अमीश लोगों ने वास्तव में एक वास्तविक तम्बू बनाया है, जहाँ से आप पेंसिल्वेनिया के लैंकेस्टर क्षेत्र में जा सकते हैं। मैं हमेशा से इसे देखना चाहता था। तम्बू बनाया गया है और भगवान अपने लोगों के बीच में निवास करेंगे। यह पोर्टेबल है; यह एक पोर्टेबल मंदिर की तरह है और जब वे चलते हैं, भगवान उनके साथ चलते हैं। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि जहाँ तक समुद्री गायों की खाल की बात है तो उन्हें समझा जाता है। मुझे बहुत सारे जानवरों पर बहुत गुस्सा आता है। मैं कहना चाहता हूँ कि हम 3000 साल बाद हैं और जानवरों को पहचानना मुश्किल है। सबसे पहले तो वहाँ अलग-अलग जानवर हैं और इसलिए कभी-कभी अनुवाद कठिन होता है। तो हाँ, "समुद्री गाय" का अनुवाद "मैनेटीस" किया गया है। सच्ची सच्चाई यह है कि जब मैं वहाँ था, तो मैंने कोई मैनेटेस नहीं देखा। मुझे लगता है कि संभवतः वे वहाँ रहे होंगे, लेकिन यह कुछ और भी हो सकता है। मैं बस इतना ही कह रहा हूँ कि उस पर वापस लौटना है। मुझे यकीन नहीं है कि ईमानदार सच्चाई क्या है। इसके लिए क्षमा करें, मुझे आपके साथ ईमानदार रहना होगा। मेरा मतलब है कि जानवर क्या था, इस पर बड़ी चर्चा है। मैं किसी भी चर्चा से कभी आश्वस्त नहीं हुआ, इसलिए मुझे खेद है। जब हम लेवितिकस में पहुंचेंगे तो हम बहुत सारे जानवरों के साथ आएंगे। हम खरगोश और खरगोश के बारे में बात करेंगे। जब आप जानवरों की भाषाओं के बीच, विशेषकर संस्कृतियों के बीच अनुवाद करते हैं तो परेशानी होती है।

इसके बाद आपके पास टोरा और टोरा देना या सिनाई में कानून है। यदि आप यहूदी लोगों से बात करते हैं तो "तोराह" शब्द एक यहूदी शब्द है और आप कहते हैं कि हमें तोराह के बारे में बताएं, यह मुख्य रूप से कानून है, सिनाई का कानून और दस आज्ञाएँ जो सिनाई में दी गई थीं। यह प्रमुख वाचा है। उत्पत्ति में प्रमुख वाचा क्या थी? इसे इब्राहीम के साथ वाचा या इब्राहीम वाचा कहा जाता था। इब्राहीम वाचा किस पर आधारित थी? खतना, सही? इब्राहीम ने अपने बच्चे का खतना किया और फिर इब्राहीम वाचा: भूमि, बीज का बढ़ना और सभी राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद होना, जो इब्राहीम वाचा थी। इसे इब्राहीम, इसहाक, और जैकब और नीचे तक दोहराया गया था। यहां सिनाईटिक वाचा होने जा रही है, सिनाई वाचा खतने पर नहीं बल्कि आज्ञाकारिता पर आधारित होने वाली है। तो भगवान अपना कानून देगा और फिर लोगों को उस कानून, उस वाचा का पालन करना होगा, जो उसने उन्हें दिया था। इसमें विशिष्टताएँ और शर्तें होंगी। अब, आप लोगों ने अभी-अभी संख्याएँ पढ़ी हैं। क्या इस्राएल ने कानून का पालन किया? नहीं, क्या वे इसे तुरंत तोड़ रहे हैं? वे कानून तोड़ रहे हैं इसलिए इस साइनाइटिक अनुबंध, कानून देने में यह एक समस्या बन गई है। तो यह एक सारांश सिंहावलोकन है।

डी. निर्गमन पुराने नियम के महान मुक्तिदायी कार्य के रूप में [7:51-9:24]

अब मैं इसके बगल में कूदना चाहता हूँ... लेकिन ऐसा करने से पहले मैं इसकी समीक्षा करना चाहता हूँ और एक कदम पीछे हटकर यहां निर्गमन की पूरी बड़ी तस्वीर देखना चाहता हूँ। निर्गमन की पुस्तक पुराने नियम की एक महान पुस्तक है।

नये नियम में महान मुक्तिदायक कार्य क्या है? सबसे पहले, वास्तविक मुक्तिदायक कार्य कौन है, नए नियम में इसे कौन करता है? व्यक्ति का नाम क्या है? यीशु. हमें यीशु के बारे में चार सुसमाचार मिले हैं जो हमें यह सभी ऐतिहासिक विवरण देते हैं। उनके जीवन में ऐसा क्या है जिसे चरमोत्कर्ष माना जाता है? हाँ, यह उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान, उसका सूली पर चढ़ना, हमारी ओर से उसका मरना और मृतकों में से पुनरुत्थान है। तो यह नए नियम में महान मुक्तिदायक कार्य है, मसीह का हमारे पापों के लिए मरना और मृतकों में से फिर से जीवित होना। मृत्यु को हराना, परास्त करने के लिए एक बहुत बड़ा शत्रु है। इसलिए

यीशु मृतकों में से जीवित होकर हमें आशा देते हैं।

पुराने नियम में, पुराने नियम में महान मुक्तिदायक कार्य क्या है? पुराने नियम में मूसा ही लोगों को मिस्र की गुलामी से बाहर निकाल रहा था। तो पुराने नियम में महान मुक्ति का कार्य यह पलायन, यह मिस्र से बाहर आना होगा। तो, हम उस पर वापस आएं और आपको दिखाएंगे कि यह बहुत बड़ा है। दूसरे शब्दों में, जैसे नए नियम में यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान बहुत बड़ा था, वैसे ही मिस्र से बाहर आना इस्राएलियों के लिए बहुत बड़ा था। वे बार-बार इस तथ्य पर लौटेंगे कि "भगवान ने हमें मिस्रियों के हाथों से और फिरौन के हाथों से बचाया।"

ई. टोरा की मौखिक और लिखित प्रकृति [9:25-13:52]

अब यह सामग्री किसने लिखी? क्या यह सिर्फ मौखिक था। दूसरे शब्दों में, क्या यह सामग्री जो हमारे पेंटाटेच में हमारे पास आ रही है, क्या यह केवल मौखिक थी? या यह लिखा गया था? यह कैसे नीचे आता है। इसकी " लिखितता " और इसकी " मौखिकता " के बीच बड़ी बहसें और तनाव होंगे। तो यह कई तरीकों से सामने आता है, लेकिन आइए देखें कि वास्तविक बाइबल क्या कहती है। निर्गमन अध्याय 17 श्लोक 14 में आपको यह कथन मिलता है: "तब प्रभु ने मूसा से कहा," परमेश्वर मूसा के साथ कैसे संवाद कर रहा है? क्या यह मौखिक है या लिखित? "और यहोवा ने मूसा से कहा, "परमेश्वर मूसा से बात कर रहा है।" मूसा स्पष्ट रूप से सुन रहा है, इसलिए यह मौखिक है। मूसा के लिए ईश्वर मौखिक है। आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट, दस आज्ञाओं के बारे में क्या? क्या वह मौखिक था या वह लिखित था?" ठीक है, वह लिखा था। भगवान ने दस आज्ञाओं को ठीक पत्थर पर लिख दिया, है ना? तो वास्तव में भगवान ने इसे स्वयं लिखा है। लेकिन यहाँ और अधिकांश स्थानों पर, परमेश्वर मूसा से बात कर रहा है और वह मूसा से कहता है कि वह कहता है, "इसे याद रखने योग्य पुस्तक पर लिखो।" परमेश्वर ने मूसा को आदेश दिया कि परमेश्वर ने जो कहा उसे लिख ले। तो परमेश्वर मूसा से बात करने जा रहा है और मूसा इसे लिखने जा रहा है। तो, क्या यह पेंटाटेच है, क्या यह सारी मौखिक परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है, या यह लिखित है? परमेश्वर यह कहता है, मूसा को इसे वहीं लिखने का आदेश दिया गया है। तो यह महत्वपूर्ण

है. वैसे क्या इसका मतलब यह है कि मूसा लिख सकता है? हाँ। वैसे, मूसा को फिरौन के दरबार में प्रशिक्षित किया गया था, उसे उसके अपने परिवार द्वारा प्रशिक्षित किया गया था, इसलिए हाँ मूसा एक बहुत ही पढ़ा-लिखा व्यक्ति था।

भगवान कहते हैं, "इसे याद रखने के लिए एक पुस्तक पर लिखें और सुनिश्चित करें कि यहोशू इसे पढ़ता है।" मैंने पवित्रशास्त्र का ग़लत उद्धरण दिया। यह ऐसा नहीं कहता. इसमें कहा गया है, " और सुनिश्चित करें कि यहोशू इसे सुनता है।" क्या आप यहां यह बदलाव देखते हैं? मूसा तू इसे लिख ले, और सुनिश्चित कर कि यहोशू इसे सुने। क्या पवित्रशास्त्र को ज़ोर से पढ़ा जाना चाहिए ताकि लोग इसे सुन सकें? तो मूल रूप से इसे लिखा गया था लेकिन फिर, वैसे, संस्कृति में बहुत सारे लोग थे जो शायद पढ़ नहीं सकते थे। इसलिए, यह उन्हें मौखिक रूप से पढ़कर सुनाया जाएगा। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि यहोशू पढ़ नहीं सका क्योंकि यहोशू शायद व्यवस्थाविवरण को पूरा करने के लिए जोशुआ की किताब लिख रहा होगा, लेकिन वह कहता है कि इसे जोर से पढ़ें ताकि यहोशू इसे सुन सके। तो यह लिखित से मौखिक की ओर चला जाता है। दूसरे शब्दों में, यह कहा जाता है: भगवान इसे बोलते हैं, यह मौखिक रूप से शुरू होता है; मूसा इसे लिखते हैं और लिखवाने के बाद यह मौखिक रूप से वापस चला जाता है और लोगों के सामने पढ़ा जाता है। तो यह मौखिक और लिखित के बीच आगे और पीछे का नृत्य है। क्या मौखिक लिखित की जाँच कर सकता है? क्या लिखित मौखिक की जाँच कर सकता है? तो आपको दोनों के बीच इस प्रकार की जाँच और संतुलन मिलता है। यह दिलचस्प है कि निर्गमन 17:14 में मौखिक और लिखित दोनों का उल्लेख किया गया है।

यदि आप किसी अन्य अनुच्छेद पर जाएं, यहां निर्गमन 24:4 में, तो आपको उसी प्रकार की चीज़ मिलेगी जहां भगवान कहते हैं, "मूसा ने जाकर लोगों को बताया।" मौखिक पर ध्यान दें "मूसा ने जाकर लोगों को सारी बातें और व्यवस्थाएं बता दीं।" क्या वह मौखिक है? मूसा उन से कह रहा है; यह मौखिक है. वह उन्हें शब्दों और कानूनों के बारे में बता रहा है। उन्होंने एक स्वर में जवाब दिया. "जो कुछ भी प्रभु ने कहा है, [फिर से मौखिक], जो कुछ भी प्रभु ने कहा है हम करेंगे। तब मूसा ने वह सब कुछ लिख लिया जो यहोवा ने कहा

था।” क्या आप इस दोलन को आगे-पीछे देखते हैं? उसने लोगों को बताया कि परमेश्वर ने क्या कहा, तब लोगों ने यह कहते हुए वाचा की पुष्टि की कि हम करेंगे। तब और मूसा ने इसे लिख लिया। अब क्या सैकड़ों साल बाद वे कहते हैं कि हम ऐसा करेंगे? इसी आयत में यह कहा गया है कि मूसा ने यह बात लिखी थी। तो यह दोलन, यह पारस्परिकता मौखिक और लिखित के बीच आगे-पीछे होती रहती है। हम इसे फिर से निर्गमन 24:4 में देखते हैं।

अब, यदि आप नए नियम पर जाएं, तो यह नए नियम में दिलचस्प है, जॉन की पुस्तक में, चौथा सुसमाचार, यह कहता है, जॉन 1:17 के पहले अध्याय में, यह कहता है "क्योंकि कानून इसके माध्यम से दिया गया था " किसको? "मूसा।" ठीक है, तो आपको नए नियम में एक स्पष्ट कथन मिल गया है: "कानून मूसा के माध्यम से दिया गया था।"

एफ. आलोचक और बाइबिल लेखक [13:53-16:51]

अब आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट, आप इस बारे में इतनी बड़ी बात क्यों कर रहे हैं? हम सभी जानते हैं कि मूसा ने इसे लिखा था। क्या आपको एक बड़ी चीज़ का एहसास है जो आलोचक हमेशा करते हैं और आप बता सकते हैं, वे हर बार एक ही काम करते हैं, वे बाइबल की एक किताब लेते हैं, और उस पर डेविड के भजन लिखे होते हैं। आलोचक क्या करेंगे? वे कहेंगे, ठीक है, यह डेविड के भजन कहता है लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह नहीं है क्योंकि डेविड ने वास्तव में ऐसा नहीं लिखा है। यशायाह, आप यशायाह की भविष्यवाणियों को अच्छी तरह से जानते हैं, यह वास्तव में यशायाह नहीं है और इसलिए वे मूर्ख हैं, उन्होंने यशायाह को बाहर कर दिया और उन्होंने डेविड को बाहर कर दिया। यह सैमुअल कहता है लेकिन जाहिर तौर पर सैमुअल सही नहीं है, इसलिए यह बाहर है। खैर जोशुआ, तुम्हें पता है कि जोशुआ भी नहीं लिख रहा था। मूल रूप से वे आगे बढ़ते हैं और वे एक हिट काम करते हैं। यदि बाइबल कहती है कि ये लोग लेखक हैं, तो आलोचक मूल रूप से आगे बढ़ेंगे और वे लेखक को लेखन से अलग करने का प्रयास करेंगे। अब वे ऐसा क्यों करेंगे? लेखक को लेखन से दूर करने की कोशिश क्यों? वे जो कहना चाह रहे हैं वह यह है कि ये चीजें सौंपी गई हैं जिसका अर्थ है कि वे सिर्फ किंवदंतियाँ हैं और वे वास्तव में ऐतिहासिक नहीं हैं। यह वास्तव में वास्तविक व्यक्ति से नहीं है. ये सिर्फ उस व्यक्ति के बारे

में किंवदंतियाँ हैं। वह क्या करता है? आप देखते हैं कि यह किस प्रकार धर्मग्रंथों की ऐतिहासिकता को कमज़ोर करता है? तो फिर लेखकों को हटाने की वह तकनीक बहुत सामान्य है। मूसा को बड़ी मार पड़ी।

हाँ, हन्ना? यूहन्ना 1:17 कहता है, " क्योंकि व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई।" अब यहाँ, यीशु स्वयं यूहन्ना 7:19-22 में कुछ टिप्पणियाँ करते हैं। मुझे बस ये दो श्लोक पढ़ने दीजिए। यीशु स्वयं रिकॉर्ड में है, पहला वर्णनकर्ता जॉन में 1:17 में है, जॉन 7:19 में यह कहा गया है: "यीशु ने उन से कहा, मैं ने एक चमत्कार किया, और तुम सब चकित हो गए। फिर भी मूसा के कारण," यीशु मूसा से कहते हैं, "और इसलिये कि मूसा ने तुम्हारा खतना किया।" अब, वैसे, क्या यह सच है? क्या मूसा ने सचमुच उनका खतना कराया था? क्या मूसा ने उन्हें खतना करने की आज्ञा दी थी? हाँ वह था। लेकिन सवाल यह है कि क्या उसने उनका खतना किया था? वास्तव में यह यहाँ कहता है कि मूसा ने तुम्हें खतना दिया, हालाँकि वास्तव में यह मूसा के माध्यम से नहीं, बल्कि कुलपतियों से आया था। सबसे पहले किस पितृपुरुष ने खतना किया था? इब्राहीम. तो, पाठ नोट करता है कि यह सीधे मूसा के माध्यम से नहीं आया, यह कुलपतियों के माध्यम से आया था। "तुम सब्त के दिन बच्चे का खतना करो। अब सब्त के दिन बालक का खतना किया जा सकता है, कि मूसा की व्यवस्था न टूटे। सब्त के दिन इस मनुष्य को चंगा करने के कारण तुम मुझ पर क्यों क्रोधित हो? केवल दिखावे पर निर्णय करना बंद करें और सही निर्णय लें।" तो, यहाँ यीशु कहते हैं मूसा और सब्त के दिन और खतना की व्यवस्था। तो यीशु स्वयं पुष्टि करते हैं कि मूसा ने इसे लिखा था। मैं आमतौर पर कहता हूँ कि अगर यीशु और प्रेरित सोचते हैं कि मूसा ने लिखा तो क्या यह मेरे लिए काफी अच्छा है? हाँ। मुझे लगता है कि यीशु भगवान हैं इसलिए वह इस मामले में बहुत अच्छे हैं।

जी. पुराने नियम में अन्यत्र निर्गमन [16:52-17:41]

पवित्रशास्त्र में अन्यत्र निर्गमन की पुस्तक को किस प्रकार देखा जाता है ? यदि यह पुराने नियम में महान मुक्तिदायी कार्य है, तो अब मैं आपको जो दिखाने जा रहा हूँ वह यह है कि जिस ई एक्सोडस के बारे में हम बात करने जा रहे हैं वह पुराने नियम के बाकी हिस्सों

में प्रतिध्वनित होता है। तो वहाँ ये गूँजें होंगी जहाँ, निर्गमन के विषयों को बंधन और गुलामी से मुक्त किया जाएगा और मुक्त किया जाएगा। यह लगभग वैसा ही है, वह कौन सी फिल्म थी जिसमें "फ्रीडम!" आप फिल्म [ब्रेव हार्ट] के अंत में जानते हैं। लेकिन उनके आज़ाद होने का यह विचार और कि ईश्वर महान मुक्तिदाता है, यह सब निर्गमन की पुस्तक पर आधारित है। तो आप निर्गमन की इस प्रतिध्वनि को पूरे पवित्रशास्त्र में सुनेंगे। आप इसे सुनने जा रहे हैं, और मैं इसमें से कुछ को इस विषय के संदर्भ में देखना चाहता हूँ। निर्गमन पुराने नियम में मुक्ति, मुक्ति और ईश्वर के महान मुक्तिकारी कार्य का एक रूपक बन गया है।

एच. भविष्यवक्ताओं में निर्गमन [17:42-21:02]

अब, मैं आपको भविष्यवक्ताओं में इसका एक उदाहरण देता हूँ। यहाँ भविष्यवक्ताओं में से एक है। मुझे यह जानने की उत्सुकता है कि आपमें से कितने लोगों ने इसे पहले सुना है। होशे 11:1 में कहा गया है, "जब इस्राएल बच्चा था, मैं उस से प्रेम करता था।" भगवान यहाँ स्वयं को क्या चित्रित कर रहे हैं? "जब इज़राइल बच्चा था, मैं उससे प्यार करता था।" भगवान स्वयं को एक ऐसे पिता के रूप में चित्रित कर रहे हैं जो अपने बच्चे से प्यार करता है। वह कह रहा है कि जब मैं पिता था, और इज़राइल मेरा बच्चा था तो मैं उससे प्यार करता था। "और मैंने मिस्र से अपने बेटे को बुलाया।" भगवान का पुत्र कौन है? उनका बेटा इज़राइल है। क्या फिरौन ने परमेश्वर के पुत्र को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की? हाँ। क्या परमेश्वर ने फिरौन के बेटे को नुकसान पहुँचाया? हाँ। क्या आप देखते हैं कि यह वहाँ कैसे होता है? तो, वह कहता है, "मैंने अपने बेटे को मिस्र से बुलाया।" उनका बेटा इज़राइल था इसलिए उन्होंने पूरे देश को घेर लिया और इसे ऐसे रिश्ते के रूप में चित्रित किया जैसे एक पिता का अपने बेटे के प्रति प्यार होता है।

इसका दूसरा भाग पूरी चीज़ को बदल देता है। क्या कोई व्यक्ति कभी किराने की दुकान में गया है और माता-पिता को अपने बच्चों के साथ देखा है? क्या वह एक आपदा है? मेरे चार बच्चे हैं और मैंने सीखा कि किराने की दुकान कैसे संभालनी है। आप क्या करते हैं कि आप उन्हें गाड़ी में डाल देते हैं और इस तरह वे भागना पसंद नहीं करते। इसलिए मैं इसकी अनुशंसा करता हूँ। आपको बस भोजन को लेकर सावधान रहना होगा, खासकर

यदि वे बहुत ज्यादा इधर-उधर घूमते हों। अब, दूसरी बात जो दिमाग में आती है वह यह है कि मेरी एक बेटी थी जिसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत था, आज भी वह एक मजबूत नारीवादी है। जब वह छोटी बच्ची थी तभी से उसका अपना दिमाग था। तो वह किंडरगार्टन में लगभग चार या पाँच साल की एक छोटी बच्ची थी। हम टीजे मैक्स प्रकार के स्टोर में थे और मैं यह कभी नहीं भूलूंगा कि हम गलियारे से नीचे जा रहे थे और वहाँ लगभग 60 फुट लंबा रास्ता है और वह भाग रही है। क्या आपने कभी बच्चों को स्टोर में रहते हुए अपने माता-पिता से दूर भागते देखा है? यह भयानक है क्योंकि आप उन्हें स्टोर में नियंत्रित नहीं कर सकते। तो वह गलियारे से नीचे दौड़ रही है और यह लगभग 60 फीट लंबा है। मैं देखता हूँ और मैं सिर्फ देखने के लिए ही उसे देखता हूँ। क्या अधिकांश बच्चे जब अपने माता-पिता से बहुत दूर हो जाते हैं और वह भागने के लिए कोने के चारों ओर दौड़ने जा रही होती है, तो क्या बच्चे समस्या ठीक करने के लिए अपने माता-पिता की ओर मुड़कर देखते हैं। आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ, कि यह घरेलू मैदान है। तो आम तौर पर कम से कम मेरे बच्चों के साथ क्या होगा जब वे अंत में वहाँ जाएंगे, वे यह जानने के लिए पीछे मुड़कर देखेंगे कि आप कहां हैं, बस यह जानने के लिए कि वे कहां हैं। खैर, मेरी सबसे बड़ी बेटी, वह वहाँ भागती है और उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैं उस नज़र का इंतज़ार कर रहा था, मैंने सोचा था कि मैं नज़र डालूँगा और देखूँगा और फिर मैं अगले गलियारे के चारों ओर कूदूँगा और उसे काट दूँगा? वह गलियारे से नीचे चली गई और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह चली गई। इसकी जांच करें।

इजराइल के साथ क्या होता है? परमेश्वर कहते हैं, "मैं ने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया, परन्तु जितना अधिक मैं इस्राएल को बुलाता था, वे मेरे पीछे उतने ही आगे बढ़ते जाते थे।" क्या सचमुच ऐसा ही हुआ? परमेश्वर ने कहा, "मैं बड़ी सामर्थी भुजा और फैलाए हुए हाथ से उन्हें बाहर ले आया" और जितना अधिक मैं उन्हें बुलाता, उतना ही वे उड़कर भाग जाते। तो यह कविता भविष्यवक्ताओं के पलायन के बारे में एक क्लासिक है।

I. निर्गमन और नया नियम [21:03-29:07]

क्या किसी ने पहले कभी यह पद सुना है, "मैं ने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया"?

अनुमान लगाइए, मैथ्यू 2:15 में, बेथलहम में मारे गए शिशुओं को क्या याद है? हेरोदेस ने शिशुओं को मार डाला और भगवान ने सपने में जोसेफ और मैरी को चेतावनी दी। उसने कहा, “तुम लोगों को सुरक्षा पाने के लिए मिस्र जाना होगा क्योंकि हेरोदेस यहाँ कुछ बुरा काम करने जा रहा है।” यूसुफ और मरियम मिस्र चले गए और फिर यीशु जब मिस्र से आए और वह यरूशलेम वापस नहीं गए, तो यीशु गलील में नासरत तक चले गए। जब वह ऐसा करता है, तो क्या यीशु मिस्र से बाहर आते हैं? यीशु स्वयं मिस्र से बाहर आते हैं और तब यह पद यीशु के बारे में उद्धृत किया जाता है, "मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बाहर बुलाया" अर्थात् यीशु। तो आपके पास निर्गमन वृत्तान्त में जो है, वह यह है कि परमेश्वर ने "अपने पुत्र इस्राएल को मिस्र से बाहर बुलाया।" क्या यीशु स्वयं एक अर्थ में पूरे इज़राइल राष्ट्र के लिए खड़े हैं? वह स्वयं में वही कार्य करता है, जो परमेश्वर के दूसरे पुत्र इज़राइल ने किया था। तो आपको यीशु में यह प्रतिध्वनि मिलती है कि इज़राइल राष्ट्र ने क्या किया। मैथ्यू में यीशु नया इज़राइल है। क्या इज़राइल ने इसे बनाया या उन्होंने इसे खराब कर दिया? इज़राइल ने इसे विफल कर दिया। अब आपके सामने नया इज़राइल मिस्र से बाहर आ रहा है और क्या वह इसे सही तरीके से करने जा रहा है। यीशु जानते थे कि इस्राएल मिस्र से निकलता है। क्या यीशु स्वयं परीक्षा में पड़ने के लिए जंगल में जाने वाला है? अनुमान लगाएं कि मैथ्यू अध्याय 4 में क्या होता है? यीशु मूल रूप से बाहर आते हैं और जंगल में चले जाते हैं और शैतान द्वारा उनकी परीक्षा ली जाती है। क्या आप देखते हैं कि यीशु नया इज़राइल बन गया है? तो एक राष्ट्र के रूप में इज़राइल में ये बातें यीशु के व्यक्तित्व में प्रतिध्वनित होती हैं। "मैंने अपने बेटे को मिस्र से बुलाया" और आप इसे इज़राइल राष्ट्र के बीच आगे-पीछे करते हैं और यीशु नया इज़राइल बन जाता है।

मुझे खेद है कि वह मैथ्यू अध्याय 4 था जहां प्रलोभन आता है। अध्याय तीन उसने बपतिस्मा लिया है। "ओह," आप कहते हैं एक मिनट रुकें हिल्डेब्रांट, "उसने अध्याय तीन में बपतिस्मा लिया है, अध्याय 2 में मिस्र से बाहर आता है, और उसने अध्याय तीन में बपतिस्मा लिया है।" बपतिस्मा, इस्राएल जल के माध्यम से कब गया? और यीशु बपतिस्मा से गुजरते हैं। क्या आपको यहां समानताएं दिखती हैं? और फिर जल में से होकर फिर क्या वह परीक्षा

में पड़ने के लिये जंगल में जाता है? ठीक है, आप कहते हैं, यह बहुत अजीब हो जाता है लेकिन आपको ये गूँज सुनाई देने लगती है। क्या शायद इसीलिए मैथ्यू ने यह दिखाने के लिए अपना सुसमाचार इस तरह स्थापित किया कि यीशु ही नया इज़राइल है? ठीक है, इसे ले लो या छोड़ दो लेकिन वैसे भी वहां कुछ चीजें चल रही हैं।

इस बार हम प्रेरित पौलुस के पास जायेंगे। प्रेरित पौलुस ने नये नियम में निर्गमन को उठाया है। 1 कुरिन्थियों 5 में वह कहता है कि यीशु हमारा फसह का मेमना है। अब वे फसह के मेमने के साथ क्या करते हैं? क्या आपको वो याद है? उन्होंने मेमने को मार डाला और खून कहाँ डाला? आपको यहां एक चौखट मिली है, आपको दो चौखटें मिली हैं और हेडर उस पार जा रहा है। मूलतः उन्होंने रक्त को द्वार पर रख दिया। तब, मृत्यु का दूत खून देखता है और स्वर्गदूत क्या करता है? यह पार हो जाता है। यहीं से आपको *पेसाचया* "फसह" नाम मिलता है, मृत्यु का दूत दरवाजे का खून देखता है और "पार हो जाता है।" हमारा पास्कल मेमना कौन है? हमारा फसह का मेमना कौन है? किसका खून दरवाजे पर लगा है ताकि मौत का दूत हमारे पास से गुजर जाए? यीशु. तो फिर पॉल स्पष्ट रूप से कहता है कि यीशु हमारा फसह का मेमना है।

फिर और क्या होता है? यीशु को पकड़वाए जाने से एक रात पहले उसने क्या लिया था? उसने रोटी ले ली। अब, आपमें से कितने लोग अपने चर्चों में जब प्रभु भोज या यूचरिस्ट करते हैं, तो आपमें से कितने लोग अखमीरी रोटी का उपयोग करते हैं? क्या आपके कुछ चर्च नियमित ब्रेड का उपयोग करते हैं? कुछ चर्च अब नियमित रोटी का उपयोग कर रहे हैं लेकिन क्या आपने देखा है जब यीशु ने कहा था कि यह अखमीरी रोटी है क्योंकि जब यीशु प्रभु भोज करते हैं, तो उनके शिष्य क्या जश्न मना रहे होते हैं? यहूदियों का एक त्योहर। यह अखमीरी रोटी क्यों है? क्या किसी को वह याद है? क्योंकि उन्हें मिस्र को जल्दबाज़ी में छोड़ना पड़ा और उनके पास उसके उठने का समय नहीं था। इसलिए परमेश्वर कहते हैं, "तुम लोग इतनी जल्दी मिस्र से बाहर निकलने वाले हो, रोटी में खमीर मत डालो क्योंकि तुम्हारे पास इसे बढ़ने देने का समय होगा। तब वे सात दिन तक अखमीरी रोटी खाया करेंगे, और पर्व के भाग के रूप में।"

वैसे, हमारा यूचरिस्ट, या प्रभु भोज, यही करता है, यह अखमीरी रोटी है। अब यीशु उस रोटी की व्याख्या कैसे करते हैं? वह रोटी मेरी है क्या? मेरा शरीर, जो तुम्हारे लिए टूटा हुआ है। जो प्याला वे पीते हैं वह शराब का प्याला है, मेरा क्या है? मेरा खून। क्या यीशु फसह के प्रतीकों को लेते हैं और उन्हें स्वयं पर लागू करने के रूप में पुनः व्याख्या करते हैं? तो आप देख सकते हैं कि यीशु भी क्रूस पर चढ़ते हैं, उनकी मृत्यु और उनका खून बहाना इन निर्गमन प्रतीकों से बाहर आने का प्रतीक है।

वैसे, मुझे कहना चाहिए कि आप गॉर्डन कॉलेज में हैं। गॉर्डन कॉलेज को यहां एक अद्भुत विशेषाधिकार प्राप्त है। हमारे यहां एक अद्वितीय व्यक्ति हैं, डॉ. मार्विन विल्सन। वह यहां उत्तरी तट पर यहूदी समुदाय से अविश्वसनीय तरीकों से जुड़ा हुआ है। हमने गॉर्डन कॉलेज में यहूदी समुदाय द्वारा आयोजित एक पेसाच या फसह रात्रिभोज का आयोजन किया है। बेनेट सेंटर में शायद 1000 लोग रहे होंगे। इसलिए हम सभी फसह के रात्रिभोज में गए और यह वास्तव में अच्छा था। मैं चाहता था कि मेरे बच्चे जाएँ, इसलिए मेरे बच्चे गए और उन्होंने अपने सभी दोस्तों से पूछा। तो हमारे पास लोगों का एक पूरा समूह था। हम मेज पर बैठ गए, और फिर अचानक रब्बी मेरे पास आए, मैं अपने जीवन में इस आदमी से कभी नहीं मिला था। अब क्या यह स्पष्ट है कि मैं एक *गोई हूँ*, कि मैं एक अन्यजाति हूँ? मेरे बाल हुआ करते थे लेकिन इन बालों और नाक का रंग बताता है कि मैं यहूदी नहीं हूँ। मुझे खेद है कि यह यहूदी नहीं है। मेरा मतलब है कि आप देखकर ही बता सकते हैं। वह मेरे पास आता है और मेरे पास आता है और मैं इस पेसाच टेबल पर बैठा हूँ और वह कहता है, "क्या आप बैठक में प्रार्थना करेंगे?" अब, मैं कह रहा हूँ, "वाह, यहाँ लगभग 1000 लोग हैं, मैं स्पष्ट रूप से एक गैर-यहूदी हूँ। मैंने अपना *किपा पहना हुआ था* लेकिन इससे आप यहूदी नहीं बन जाते।" और इसलिए मैं समझ नहीं पाया कि इस आदमी ने मुझसे सबके सामने प्रार्थना करने के लिए क्यों कहा। इसलिए मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है। बाद में मैंने डॉ. विल्सन को परिसर में इधर-उधर भागते हुए देखा और मैंने कहा, "अरे, मार्व, इस आदमी ने मुझे इन लोगों के लिए प्रार्थना करने के लिए अचानक बुलाया। मैं एक अन्यजाति हूँ।" और उन्होंने कहा, "जाहिर तौर पर समूह में जिसकी भी परिवार इकाई सबसे बड़ी

होगी, उसे प्रार्थना करने के लिए कहा जाएगा और आपके पास सबसे बड़ा परिवार होगा।" वैसे मेरे दस बच्चे थे लेकिन वे सभी मेरे बच्चे नहीं थे। ज़्यादातर मेरे बच्चों के दोस्त थे। तो वैसे भी अगर आपको कभी जाने का मौका मिले एक यहूदी फसह का रात्रि भोज, इसे करें। जब आप वहां बैठेंगे तो आप यह देखकर चौंक जाएंगे कि इतनी सारी कल्पना सीधे यीशु में कैसे चली जाती है। इसलिए यह बहुत अच्छा है अगर आपको कभी पेसाच डिनर पर जाने का मौका मिले, तो जाएं। खाना भी अच्छा है। फसह प्रभु भोज से जुड़ा है।

तो फिर यहाँ कुछ ऐसा है जिसे आपने नहीं पकड़ा होगा और वास्तव में मेरे एक अच्छे दोस्त डेव मैथ्यूसन ने मुझे इसमें डाला है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, क्या प्रकाशितवाक्य में बहुत सारी विपत्तियाँ हैं? हाँ। क्या आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में विपत्तियों को जानते हैं, उनमें से कई विपत्तियाँ उन विपत्तियों की प्रतिध्वनि हैं जो मिस्र में पाई गई थीं। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में क्या सूर्य अंधकारमय हो जाता है? हाँ। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में क्या टिड्डियाँ और सामान निकलते हैं? हाँ। तो आपके पास जो कुछ है वह बाइबिल की अंतिम पुस्तक प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में प्रतिध्वनित होने वाली निर्गमन विपत्तियाँ हैं, जब भगवान यह सब करने जा रहे हैं और पृथ्वी कांप रही है और यह सब बड़ी गंदी चीजें प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में घटित होती हैं, उनमें से अधिकांश कल्पना का निर्माण निर्गमन से किया गया है। तो मैं बस इतना कह रहा हूँ कि निर्गमन की यह छोटी सी पुस्तक पूरी बाइबिल में प्रतिध्वनित होती है। यह एक तरह से अविश्वसनीय है।

जे. निर्गमन और भजन [29:08-31:16]

यदि आप उदाहरण के लिए भजन 78, भजन 105, या भजन 106 पढ़ते हैं, तो वे भजन निर्गमन से भरे हुए हैं। इसलिए भजन और भविष्यवक्ता निर्गमन का उल्लेख करते हैं। अब भजनों की बात करें तो यहां एक भजन है जिसे ग्रेट हालेल कहा जाता है और यह वास्तव में फसह के समय पढ़ा जाता है। आप इस शब्द को जानते हैं क्योंकि आप लोग कहते हैं। " हललुजाह ।" हललुजाह, ठीक है " जाह " यहोवा है। तो हालेल का अर्थ है " यहोवा की स्तुति करो , " प्रभु की स्तुति करो। मुझे एहसास हुआ कि मैं एक बैपटिस्ट था इसलिए हम हमेशा "आमीन" कहते थे। लेकिन यदि आप करिश्माई हैं तो आप "हेलेलुजाह"

कहते हैं। वह एक मजाक था, लेकिन ठीक है। चूँकि यहाँ हर कोई पूरी तरह गंभीर दिख रहा है, यह एक मजाक था, ठीक है। द ग्रेट हालेल । फसह के समय यही पढ़ा जाता है। यहां बताया गया है कि इसकी शुरुआत कैसे होती है, "जब इज़राइल मिस्र से बाहर आया" तो जैसे ही वह ऐसा करता है तो वह किस बारे में बात कर रहा है? "जब इस्राएल मिस्र से निकला" वह निर्गमन है, "याकूब का घराना विदेशी भाषा के लोगों से।" विदेशी भाषा बोलने वाले लोग मिस्रवासी हैं। "यहूदा परमेश्वर का पवित्रस्थान और इस्राएल उसका राज्य बन गया।" परमेश्वर अपने लोगों के बीच तम्बू में वास करता था। "समुद्र ने देखा और भाग गया।" वह किस बारे में बात कर रहा है, "समुद्र ने देखा और भाग गया"? यह लाल सागर का विभाजन है। क्या समुद्र को एक इंसान की तरह चित्रित किया जा रहा है मानो वह ईश्वर से डरकर भाग रहा हो । "और समुद्र देखकर भाग गया, और यरदन पीछे मुड़ गया।" वैसे, जॉर्डन कब वापस मुड़ा ? क्या वह पेंटाटेच में है? नहीं, यह जोशुआ की किताब है। इसलिए वह निर्गमन से अब वादा किए गए देश में प्रवेश करने की ओर बढ़ गया। "पहाड़ मेमने की तरह उछलते हैं, पहाड़ मेमनों की तरह टकराते हैं।" पहाड़ कब हिले? यह तब था जब भगवान सिनाई पर्वत पर थे। कांपते पहाड़ याद हैं? तो यह निर्गमन के स्तोत्रों में एक काव्यात्मक वर्णन है। यहाँ वे दावत में यही गा रहे हैं। फिर, वे ग्रेट हालेल गाएंगे और वे आज तक ऐसा करते हैं। तो, ठीक है, भजनों, भविष्यवक्ताओं, नए नियम, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में निर्गमन की पुस्तक महत्वपूर्ण है और प्रतिध्वनित होती है।

के. प्राचीन मिस्र का इतिहास: सर्वेक्षण [31:17-37:36]

अब , मिस्र कैसा था? यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र को "नील नदी का उपहार" कहा है। क्या आपमें से किसी ने कभी गूगल मैप्स का उपयोग किया है? क्या आपने कभी अपने घर को देखने के लिए गूगल मैप का सहारा लिया है । यदि आप कभी Google मानचित्र पर जाएँ, क्या मिस्र और आप मिस्र में पाते हैं, तो उस पूरे क्षेत्र में कौन सा रंग हावी है? एक रेतीला भूरा क्योंकि आपको 1000 मील तक रेगिस्तान मिला है। आपके किनारे लगभग 2000 मील तक रेगिस्तान है। और क्या होगा जब आप अपना Google मानचित्र खोजेंगे, तो आप पाएंगे कि वहां हरे रंग का एक पतला रिबन है। वहाँ एक विशाल पीला-

भूरा, रेतीला भूरा क्षेत्र होगा और हरे रंग का एक छोटा सा रिबन नीचे की ओर आ रहा होगा। यही क्या? वह नील नदी है। वे मूल रूप से नील नदी से सिंचाई करते हैं और आपको हरे रंग की एक छोटी सी पट्टी दिखाई देगी। दूसरे शब्दों में, "मिस्र नील नदी का उपहार है।" तुम नील नदी को ले जाओ, मिस्र कहाँ है? कहीं भी नहीं। मिस्र अस्तित्व में नहीं है। यह मूल रूप से वह जगह है जहां जल और जीवन एक साथ आते हैं।

अब, ठीक है, सबसे पहले, मैं नहीं चाहता कि आप यह जानें। मैं कहता हूँ कि मैं नहीं चाहता कि आपको यह पता चले, मैं बस इस बारे में बात करने जा रहा हूँ। यह मिस्र के संपूर्ण इतिहास का सारांश है। यह मिस्र के इतिहास का हिल्डेब्रांट सारांश है। क्या आप में से कुछ लोग प्रोफ़ेसर डेविड विक और पश्चिमी सभ्यताओं की असली चीज़ को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं? विक अद्भुत है। आपको कुछ सर्वोत्तम प्राचीन निकट पूर्वी शिक्षाएँ मिल रही हैं जो आप कहीं भी पा सकते हैं। मैं उनकी कक्षा में बैठा हूँ, मुझे पता चला कि आप लोगों को कॉलेज में क्या मिल रहा है, मेरे पास स्नातक पाठ्यक्रम थे जो डॉ. विक जितने अच्छे नहीं थे। वह व्यक्ति एक अद्भुत शिक्षक है। वैसे मुझे हमेशा परेशानी होती थी जब मैं उसकी कक्षा में सबसे पीछे बैठता था और वह सबसे मजेदार चुटकुले सुनाता था और छात्र वहीं बैठे रहते थे और मैं दहाड़ता रहता था। उसके पास वास्तव में शुष्क हास्य की भावना है लेकिन वह अपनी कक्षा में आधे समय चुटकुले सुनाता रहता है। यह लड़का वास्तव में विनोदी है लेकिन आपको इससे जुड़ना होगा। ठीक है, मैं मिस्र का सारा इतिहास एक स्क्रीन पर दिखाने जा रहा हूँ। अब मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप मिस्र के इतिहास के प्रवाह को समझें। आपके पास पुराना साम्राज्य, मध्य साम्राज्य और नया साम्राज्य है। ये मिस्र के तीन राज्य हैं। पुराना साम्राज्य लगभग 2700 ईसा पूर्व शुरू हुआ और लगभग 2100 तक चला, और यही वह समय था जब पिरामिडों का निर्माण किया गया था। अब्राहम के लिए हमारी तिथि क्या है? 2000 ईसा पूर्व क्या पिरामिड पहले ही बन चुके थे, जब अब्राहीम मिस्र में था? हाँ। अब्राहीम ने वह देखा। पिरामिड अब्राहम के समय से लगभग 2700-2100 ईसा पूर्व पहले से ही मौजूद थे। यह महान निर्माण परियोजना है। उन्होंने इन सभी विशाल चीज़ों का निर्माण किया। प्रथम मध्यवर्ती काल, ये मध्यवर्ती काल अराजकता के काल होने वाले हैं। मध्यवर्ती काल वह

है जब अराजकता होती है। ऐसा तब होता है जब विदेशी आते हैं और मूल मिस्रवासियों को पीटते हैं और फिर अराजकता फैल जाती है। तो प्रथम मध्यवर्ती काल मोटे तौर पर तब है जब इब्राहीम वहाँ था? तो जब इब्राहीम नीचे चला गया, तो मिस्र मजबूत होगा या कमजोर? कमजोर। वहाँ अराजकता चल रही है इसलिए वह आने वाले विदेशियों के साथ फिट बैठेगा। तो यह इब्राहीम के साथ पहला मध्यवर्ती काल है।

फिर आपके पास वह है जिसे मध्य साम्राज्य कहा जाता है। जब मैं ज्ञान साहित्य करता हूँ तो मध्य साम्राज्य वह है जिसके साथ मैं बहुत काम करता हूँ। तो अमेनेमोप की बुद्धि, विभिन्न लोगों की बुद्धि, लगभग 1991 ईसा पूर्व की बहुत सारी कलाओं और साहित्य के साथ आती है। क्या आपमें से कुछ लोगों को 1991 याद है? यह 1991 से 1670 ईसा पूर्व था। तो वैसे भी, यह साहित्य का युग है और इसी समय बहुत सारा ज्ञान साहित्य विकसित होता है। यह निर्माण काल है। यह साहित्यिक काल है।

तब आपके पास दूसरी मध्यवर्ती अवधि होती है। वह तब था जब इज़राइल दूसरे मध्यवर्ती काल के दौरान मिस्र में था। बहुत से लोगों ने कहा कि हिक्सोस समूह वहाँ आता है और अराजकता पैदा करता है। इज़राइल भी वहीं है। क्या किसी को वह पाठ याद है जिसमें कहा गया है कि "फिरौन जो यूसुफ को नहीं जानता था"? दूसरे शब्दों में, यूसुफ पर एक फिरौन का अनुग्रह था, परन्तु एक फिरौन था जो यूसुफ को नहीं जानता था? कुछ लोग सोचते हैं कि यह हिक्सोस आक्रमण है। जब हक्सोस ने सत्ता संभाली, तो वे यहूदियों को किसी से नहीं जानते थे, इसलिए उन्होंने यहूदियों को गुलाम बना लिया। अतः यह द्वितीय मध्यवर्ती काल है।

न्यू किंगडम विस्तार का काल है। यह तब है, जब मिस्र को क्या समस्या है? क्या मिस्र अत्यंत विस्तारवादी संस्कृति है? नहीं, मिस्र बहुत प्रांतीय था। जब तक उनके पास नील था, क्या वे खुश थे? वे प्राचीन विश्व की रोटी की टोकरी की तरह थे। उन्होंने बाकी सभी के लिए गेहूँ और भोजन उपलब्ध कराया। वे ज़्यादा बाहर नहीं गए, मैं कह रहा हूँ कि वे हर समय बाहर जाने वाले विजेता नहीं थे। वे कुछ-कुछ वैसे ही थे जैसा मैं चीन के बारे में सोचता हूँ। क्या चीन सचमुच एक बड़ा मजबूत देश है जो कई क्षेत्रों पर कब्ज़ा कर सकता है?

लेकिन चीन अन्य लोगों पर हावी नहीं होता , वे एक तरह से अधिक प्रांतीय हैं। वे अपने ही समाज के भीतर काम करते हैं। मिस्र कुछ ऐसा ही था। इस अवधि को छोड़कर वे विस्तारवादी नहीं थे जब वे चले गए और मेसोपोटामिया तक चले गए। लेकिन आम तौर पर वे ऐसे नहीं थे.

तो फिर अंततः, न्यू किंगडम के विस्तार काल के बाद, इसे वे तृतीय I मध्यवर्ती काल कहते हैं और यह डेविड और सोलोमन के समय के आसपास है, जो वास्तव में दिलचस्प है। तो दाऊद और सुलैमान के समय में, मिस्र मजबूत था या कमजोर? कमजोर। डेविड और सुलैमान सत्ता में आते हैं और उनके राज्य का विस्तार मूल रूप से इसलिए होता है क्योंकि मिस्र कमजोर है। वैसे, उसी समय मेसोपोटामिया कमजोर था। इसलिए दाऊद और सुलैमान फलेंगे-फूलेंगे क्योंकि उस समय मिस्र और मेसोपोटामिया दोनों कमजोर थे। तो मिस्र के लिए इस प्रकार का प्रवाह: पुराना साम्राज्य, मध्य साम्राज्य और नया साम्राज्य, जिनके बीच में अराजकता के मध्यवर्ती काल थे।

एल. मिस्र, गोशेन और सिनाई का भूगोल [37:36-44:22]

अब , आइए एक मानचित्र का थोड़ा सा अंश देखें। यहाँ एक मानचित्र है जिसमें हम नमक सागर या मृत सागर देखते हैं। आप यहां नीचे आए तो आपको अकाबा की खाड़ी मिलेगी, जिसका नाम जॉर्डन के अकाबा शहर के नाम पर रखा गया है। यह लाल सागर है। यहाँ नीचे स्वेज़ की खाड़ी है। यहीं किस शहर का नाम रखा गया है? स्वेज़ की इस खाड़ी का नाम यहीं के स्वेज़ शहर के नाम पर रखा गया है। अकाबा की खाड़ी का नाम यहाँ के शहर के नाम पर रखा गया है जिसे जॉर्डन में अकाबा कहा जाता है। इज़रायली पक्ष में वे इसे इलियट कहते हैं। यह सिनाई प्रायद्वीप है. क्या आप देख सकते हैं कि यह यहाँ एक प्रायद्वीप है? यह प्रायद्वीप यहां एक विशाल प्लेट की तरह है और यह वास्तव में है, यह हिस्सा यहां ऊपर उठा हुआ है और फिर आपको यह बंद लाल सागर में मिलती है। आइए मैं इसे स्पष्ट करता हूँ। मैं वास्तव में यहाँ तैराकी करने गया हूँ। अगर मैं जैक्स कॉस्ट्यू का नाम कहूँ तो क्या इसका कोई मतलब रह जाएगा? यह लड़का वास्तव में तैराकी में अच्छा था लेकिन उसने कहा कि दुनिया की कुछ सबसे खूबसूरत मूंगा चट्टानें यहीं पाई जाती हैं और मैं इससे

सहमत हूँ। मेरे पास उसका अनुभव नहीं है लेकिन मैंने यहां तैराकी की है। आइए मैं आपको रास मोहम्मद के बारे में बताता हूँ। आप इस सिनाई प्रायद्वीप के बिल्कुल अंतिम छोर पर हैं और तैराकी करने जा रहे हैं। तो तुम पानी से बाहर निकलो यह इतना गहरा है। मेरा पालन-पोषण नियाग्रा नदी में हुआ, इसलिए मैं मछली की तरह हूँ। इसलिए पानी से मुझे डर नहीं लगता और मैं तैरने का आनंद लेता हूँ। इसलिए मैं बाहर जा रहा हूँ; यह लगभग घुटने तक गहरा है, और आप एक कदम, एक कदम बढ़ाते हैं और पानी 600 फीट गहरा है। हाँ। याद है मैंने तुमसे कहा था कि मंच ऊपर उठ गया है? जब मंच उठा. फिर यह टूट गया और 600 फुट नीचे गिर गया। होता यह है कि आप पानी में हैं तो आप मूल रूप से इसी तरह तैरते हैं और जहां आप अभी बाहर हैं वह 600 फीट गहरा है। जब आप नीचे देखते हैं, तो नीचे क्या है? ऐसा लगता है, यह "पवित्र गाय है, यह वास्तव में गहरा है।" मैं नीचे नहीं देख सकता, मेरा मतलब है कि मैं नीचे के करीब भी नहीं देख सकता। वैसे भी, क्या होता है कि आप मुड़ते हैं और इस चट्टान को देखते हैं जिससे आप अभी निकले हैं और वहां सभी प्रकार की मछलियां होंगी, मुझे नहीं पता कि आधिकारिक नाम क्या है लेकिन यह बार्नकल चीजों और इन सभी उष्णकटिबंधीय मछलियों की तरह है जो वास्तव में हैं रंगीन मछली. हम इन मूंगों और इन खलिहानों और सामान के बीच तैर रहे हैं और आप बस वहां तैर सकते हैं और इन मछलियों को देख सकते हैं। यह सचमुच बहुत बढ़िया है।

अब आप कहते हैं, "हाँ।" आप इन मछलियों को देख रहे हैं और एक शार्क आपके पीछे आती है, "लेकिन मुझे कोई शार्क नहीं दिखी, लेकिन हो सकता है कि वे वहां मौजूद हों। क्या होता है कि आप वापस ऊपर तैरते हैं और चट्टान पर वापस आ जाते हैं और यह घुटनों तक गहरी होती है। तो यह वाकई मजेदार है।

लेकिन वैसे भी, यह सिनाई है और बहुत से लोग माउंट सिनाई को यहां रखते हैं और यदि आप कभी वहां पहुंचें, तो वास्तव में मैं आपको बताने जा रहा था कि क्या आपको कभी वहां उतरने का मौका मिलेगा, लेकिन यह अब खतरनाक क्षेत्र है। आतंकवादी अब वहां सामान उड़ा देते हैं। इसलिए जब मैं वहां गया तो यह गृह युद्ध के बाद था, उस समय बमुश्किल ही कोई सड़क थी। अब यह सब बन चुका है; आतंकवादियों ने वहां दो-तीन बार

होटलों को उड़ा दिया था। ठीक है चलो यहाँ से निकलो।

तो यह सिनाई है फिर यहाँ आता है। यह गोशेन की भूमि है, यह मेम्फिस है। मैं हमेशा कहता हूँ कि यह मेम्फिस है क्योंकि यहीं पर राजा को दफनाया गया था। यह नील और नील डेल्टा है। आप इससे परिचित थे क्योंकि यह गोशेन की भूमि है, जो हमारे लिए महत्वपूर्ण होने वाली है। गोशेन देश में कौन रहेगा? हिब्रू गुलाम। अब अमेरिका में भी क्या हमारे पास गोशेन नाम की जगहें हैं? क्या कभी किसी ने गोशेन कॉलेज के बारे में सुना है? हम इन चीजों का नाम गोशेन के नाम पर रखते हैं जहां मिस्र में यहूदी बसे थे।

मिस्रवासियों ने उन्हें वहाँ क्यों बसाया? आपके पास कुछ चीजें चल रही हैं। यहूदी लोग, स्वभावतः उनका व्यापार क्या है? वे चरवाहे हैं। नील नदी के किनारे कौन से लोग रहते हैं? किसान। क्या चरवाहों और किसानों के बीच वास्तव में अच्छा रिश्ता है? चरवाहों के साथ क्या होता है जब चरवाहा आपके घर पर भेड़ लाता है और आपको एक खेत मिल जाता है, तो आपकी भेड़ें क्या करती हैं? खेत के पौधे खाओ। यह ऐसा है जैसे अमेरिका में पशुपालक बनाम किसान नहीं थे? जब कोई आदमी अपनी गाय लेकर आता है और आपका मक्के का खेत खा जाता है, तो आपका काम हो गया। वहाँ भी उनका वही संघर्ष था। तो मूलतः आप चरवाहे को यहाँ से चले जाने और खेत को अकेला छोड़ देने को कहें। फिर, मिस्र प्राचीन दुनिया की रोटी की टोकरी थी और गेहूँ यहीं उगाया जाता था।

अब उनके वहाँ होने का दूसरा कारण यह था कि जब मिस्र पर हमला होता है, तो मिस्र पर कैसे हमला हो सकता है? वे अधिक प्रांतीय प्रतीत होते हैं। क्या मिस्र पर पश्चिम से हमला हो सकता है? यहाँ के सभी लीबियाई लोगों का कहना है कि वे मुबारक पर हमला करना चाहते हैं। तो वे रेगिस्तान में आते हैं। क्या आप पश्चिम से आक्रमण करने के लिए रेगिस्तान पार करने जा रहे हैं? नहीं, यह हजारों मील का रेगिस्तान है। यहाँ तक कि दो कूबड़ वाला ऊँट भी ऐसा नहीं बना सकता। तो आप इस तरह नहीं आएंगे। इस दिशा से पश्चिम दिशा में कोई भी आप पर आक्रमण नहीं कर सकता। अच्छा, शायद कोई दक्षिण से हमला करेगा? यदि वे नील नदी में तैरने का प्रयास करें तो यह एक बेहतरीन व्हाइटवाटर राफ्टिंग होगी। तुम बस धारा के साथ बह जाओ। समस्या क्या है? सात जगहों पर आपको

क्या मिला? मोतियाबिंद. अब व्हाइटवाटर राफ्टिंग नाव में मज़ा आ सकता है , लेकिन जब आपके पास एक सेना हो तो यह अच्छा नहीं है। तो मूलतः वे मोतियाबिंद के कारण दक्षिण से कटे हुए हैं जो उनकी रक्षा करते हैं। क्या कोई मिस्र पर हमला करने के लिए उत्तर से, पूरे भूमध्य सागर के पार से उन पर हमला करने वाला है? क्या वह भूमध्य सागर के पार एक लंबी यात्रा है? क्या आप नावें खोने जा रहे हैं, दोस्तों और कौन जानता है कि आप और क्या खोने जा रहे हैं । तो कोई नहीं, वैसे, आप उन्हें यहाँ इस चरागाह डेल्टा क्षेत्र में रखें। क्या होता है जब उनकी ज़मीन दलदल में होती है? क्या कोई वर्जीनिया में विलियम्सबर्ग से परिचित है? आप उन्हें दलदल में डाल देते हैं, क्या होता है? मच्छर हैं. मच्छर लोगों के साथ क्या करते हैं? वे उन्हें डंक मारते हैं और उन्हें मलेरिया से संक्रमित कर देते हैं। क्या मच्छर लोगों को मारते हैं? हाँ, विलियम्सबर्ग। एक तिहाई लोगों की मौत हो गई.

तो इसलिए मिस्र पर हमला करने की एकमात्र दिशा क्या थी? उत्तर पूर्व से यहीं तक। तो आप यहूदियों को कहां रखने जा रहे हैं? उन्हें इस तरह यहां रखें कि जब आप पर यहां से हमला किया जाए, तो आपके हमलावरों को पहले किसे मारना होगा ? गोशेन में यहूदी. यहूदी एक बफर जोन बन जाते हैं। इसलिए इज़राइल सुरक्षा जोड़ता है, फिर यहूदियों को असली मिस्रवासियों का सामना करने से पहले ही मार दिया जा सकता है। तो गोशेन की यह भूमि यहाँ स्थित है, और हम बाद में गोशेन की भूमि के बारे में और अधिक देखेंगे। यह बस कुछ चीजों का एक संक्षिप्त विवरण है।

एम. फिरौन का यहूदियों पर उत्पीड़न: कार्यपालिकाएं [44:22-47:26]

अब , आइए फिरौन के यहूदियों पर प्रभुत्व जमाने के तरीकों पर नजर डालें। निर्गमन 1 और 2 में, आपको यह मिलता है--मैं इसे एक बड़े संदर्भ में रखना चाहता हूँ। यहूदियों के लिए परमेश्वर की क्या योजना है? मुझे यहूदियों के सामने वापस जाने दो। समस्त मानवजाति के लिए परमेश्वर की क्या योजना थी? वे अदन के बगीचे में थे, आदम और हव्वा को बगीचे में काम करने के लिए कहा गया था और उन्हें क्या करने के लिए कहा गया था? गुणा करो, और क्या करो? “फूलो-फलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ।” मानवजाति के लिए परमेश्वर की नियति यह थी कि वे बहुगुणित हों और पृथ्वी को भर दें। अब क्या होगा?

परमेश्वर इब्राहीम के वंशजों से कहते हैं कि उन्हें क्या करना है? वे क्या बनने जा रहे हैं? समुद्र तट की रेत या आकाश के तारों जितने। वे बहुगुणित और फलदायी होंगे। इब्राहीम के वंशज फूलें-फूलें और बढ़ें। अतः आदम और हव्वा के लिए परमेश्वर की नियति इब्राहीम द्वारा नियंत्रित हो जाती है। अब, इसके रास्ते में कौन खड़ा है? वहाँ फिरौन नाम का एक आदमी है, और फिरौन कहता है कि एक मिनट रुको। इन यहूदियों की संख्या बहुत अधिक है, हमें इन यहूदियों को मारना होगा। वहाँ बहुत सारे हैं। वे बहुत ज्यादा बढ़ रहे हैं।

इसलिए फिरौन बीज के गुणन के लिए परमेश्वर की योजना का विरोध करेगा। क्या तुम वो दिखता है? तो फिरौन यहाँ परमेश्वर के साथ मतभेद करने जा रहा है। मूलतः फिरौन परमेश्वर के पुत्र को नष्ट करने के लिए परमेश्वर के पुत्र पर आक्रमण करने जा रहा है, और परमेश्वर किस पर आक्रमण करेगा? वह फिरौन पर आक्रमण करेगा, क्योंकि फिरौन ने परमेश्वर के पुत्र पर आक्रमण किया है। क्या परमेश्वर फिरौन के पुत्र को निकाल देगा? क्या आपको यहां समानताएं दिखती हैं? फिरौन परमेश्वर के पुत्र को नष्ट करने का प्रयास करेगा, परमेश्वर फिरौन के पुत्र को बाहर निकाल देगा। इसलिए वह इस्राएल के लिए परमेश्वर की प्रमुख योजना का विरोध कर रहा है।

क्या होता है? फिरौन यह कैसे करता है? यह निर्गमन के अध्याय 1 में श्लोक 8 से शुरू होता है। “अब यूसुफ और उसके सभी भाई और उनकी पीढ़ी के सभी लोग मर गए, परन्तु इस्राएली बहुत फले-फूले, और बहुत बढ़ गए, यहां तक कि देश उनसे भर गया। फिर एक नया राजा सत्ता में आया जो यूसुफ को नहीं जानता था। परन्तु उसने कहा, 'इस्राएली हमारे लिये बहुत अधिक हो गए हैं। आओ, हमें उनके साथ चतुराई से निपटना चाहिए।' तो फिर अध्याय 1 श्लोक 11 में, "उन्होंने उन पर बेगारी से अत्याचार करने के लिए दास स्वामी नियुक्त कर दिए। और उन्होंने पीथोम और रामसेस नगर बसाए।" तो फिरौन कहता है कि बहुत सारे हैं, वे बढ़ते जा रहे हैं। हम उनकी संख्या कैसे कम करेंगे? हम उन्हें गुलाम बना लेंगे, हम उन पर अत्याचार करेंगे और हम उनसे काम छीन लेंगे। अगर हम उनसे दिन भर काम कराएं तो क्या उनके पास बच्चे पैदा करने का समय होगा? नहीं, वे बहुत थक जायेंगे। इसलिए मूल रूप से वह उनके ऊपर टास्कमास्टर्स को रखता है और टास्कमास्टर उन्हें

गुलाम बनाते हैं। इसराइल गुलाम बन गया इसलिए यह इसराइल के लिए बहुत बुरा हो गया। हालाँकि, जितना अधिक वे उन पर अत्याचार करते हैं, इस्राएलियों का क्या होता है? इस्राएली मजबूत हो गए। उन पर कड़ी मेहनत की जाती है और अचानक वे मजबूत हो जाते हैं और उनकी संख्या और भी अधिक बढ़ जाती है।

एन. हिब्रू दाइयां [47:27-56:27]

खैर , वह काम नहीं आया, इसलिए हमें योजना संख्या दो पर जाना होगा। योजना संख्या दो इन दाइयों के पास जाने की है। मैं अध्याय 1 श्लोक 15 पर आता हूँ। "और मिस्र के राजा ने इब्रानी दाइयों से, जिनके नाम शिप्रा और पूआ थे, कहा।" यहाँ कितने दाइयों के नाम हैं? दो। क्या हम इन दाइयों के नाम जानते हैं? शिप्रा और पूह . आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट, क्या आप वास्तव में इसकी परवाह करते हैं।" नहीं, मैं नहीं जानता, लेकिन मेरे लिए दिलचस्प बात यह है कि क्या आप मुझे फिरौन का नाम बता सकते हैं? फिरौन का नाम क्या है? फिरौन फिरौन है. क्या यह विडम्बना है? क्या यह अमेनेमोप है ? हम फिरौन का नाम जानते हैं या इस फिरौन का नाम सिर्फ फिरौन है? क्या हम इन हिब्रू दाइयों के नाम जानते हैं? क्या आप यहां विडंबना देखते हैं? हम दाइयों के नाम तो जानते हैं लेकिन फिरौन का नाम नहीं जानते। क्या आप देख रहे हैं कि पाठ के साथ क्या हो रहा है? क्या फिरौन को इस बात से बदनाम किया जा रहा है कि उसका कोई नाम नहीं है लेकिन इन दो दाइयों के नाम हैं? मुझे लगता है कि यहां इन दाइयों के साथ कोई साहित्यिक खेल चल रहा है।

तो इन दाइयों के साथ क्या होता है? वह दाइयों के पास आता है और वह यह कहता है: "जब आप हिब्रू महिलाओं को प्रसव स्टूल पर प्रसव में मदद करते हैं, तो यदि लड़का हो तो उसे मार डालो और यदि लड़की हो तो उसे जीवित रहने दो।" मेरा मतलब है कि यह लिंग आधारित भेदभाव है। यह भयानक है। लड़के मारे जाते हैं लेकिन लड़कियाँ जीवित रहती हैं। यह बिल्कुल सही नहीं है. यह लैंगिक असमानता है. यह भयानक है। यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि आखिरकार यह सिर्फ लड़कों का मामला है। क्या आप देख रहे हैं कि मैं यहां क्या कर रहा हूँ? क्या आज हमारे पास ऐसी संस्कृतियाँ हैं जो कहती हैं कि लड़कियों को मरने दो और लड़कों को जीने दो? यह एक ही बात है। ऐसे देश हैं जो अभी ऐसा कर रहे

हैं। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि जब वे लड़कों को मार रहे हैं तो यह यहाँ एक बड़ी समस्या है।

अब दाइयां क्या करती हैं? क्या ये दाइयां स्मार्ट हैं? “दाइयाँ हालाँकि परमेश्वर से डरती थीं, फिर भी वे परमेश्वर से डरती थीं और उन्होंने वह नहीं किया जो मिस्र का राजा चाहता था। और उन्होंने लड़कों को जीवित रहने दिया। तब मिस्र के राजा ने दाइयों को बुलाकर उन से पूछा, तुम ने ऐसा क्यों किया? तुमने लड़कों को क्यों रहने दिया?” तब दाइयों ने फिरौन को उत्तर दिया, “हिब्रू स्त्रियाँ मिस्री स्त्रियों के समान नहीं हैं। वे हष्ट-पुष्ट हैं और दाइयों के आने से पहले ही बच्चे को जन्म दे देते हैं।” क्या यह सच है? क्या हिब्रू महिलाएं वास्तव में बच्चे को जन्म देने की प्रक्रिया में मिस्र की महिलाओं से भिन्न हैं? क्या ये महिलाएँ फिरौन से झूठ बोल रही हैं, इस पूर्वाग्रह के साथ कि यहूदी मिस्रियों से अलग हैं? क्या वे फिरौन को पकड़ने के लिए पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर खेल रहे हैं? हाँ, वे।

क्या भगवान झूठ बोलने वालों को आशीर्वाद देते हैं? क्या कभी-कभी झूठ बोलना ठीक है? कुछ लोग इसे परोपकारी पाप कहते हैं। बाइबल उसके बारे में क्या कहती है? तुम्हें क्या नहीं करना चाहिए? झूठ। यह एक पाप है। क्या भगवान ने इन महिलाओं को आशीर्वाद दिया? हाँ वह था। दरअसल, जब वे मिस्र जाते हैं तो अंदाजा लगाइए कि उनके साथ कौन जाता है? शिप्रा और पूह . वे सोचते हैं, " यह हमारा काम है जिससे हम कुछ और बच्चों को जन्म देंगे।" अतः वे इस्राएलियों के साथ चले गए और जब वे चले गए तो परमेश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया और उन्हें इस्राएल में भाग मिला।

अब सवाल उठता है: आप इसे कैसे समझते हैं? यह बार-बार सामने आने वाला है, इसलिए मैं बस यह कहना चाहता हूँ कि मैं इसे कैसे समझूंगा। मैं आपको कुछ उदाहरण देता हूँ. एक समय की बात है, हम लगभग बाईस वर्षों तक इंडियाना में रहे। मेरे बच्चों का पालन-पोषण इंडियाना में हुआ। क्या इंडियाना से कोई यहाँ है? ठीक है, इंडियाना। आपको यह समझना होगा कि इंडियाना मैसाचुसेट्स से अलग है, मेरा विश्वास करें। इंडियाना में, उनके पास केवल एक ही खेल है। वे इंडियाना में केवल एक ही खेल खेलते हैं और वह खेल है बास्केटबॉल। जब मेरा बेटा चौथी कक्षा में था , हाई स्कूल के कोच उसे चौथी कक्षा में पढ़ा रहे थे। यह एक हाई स्कूल कोच है जो चौथी कक्षा के बच्चे की तलाश कर रहा है! उन्होंने

इन बच्चों को उनके जन्म के समय से ही बास्केटबॉल का प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया था, मैं गंभीर हूँ। मैंने हॉटन कॉलेज में गेंद खेली इसलिए मैंने सोचा कि मैं अपने बेटे को गेंद खेलना सिखाऊंगा। इसलिए मैं उसे बाहर ले गया और मैंने सोचा कि आप जानते हैं कि जब वह बड़ा हो जाएगा तो मैं उसे मुझे पीटने दूँगा; जब वह नौवीं या दसवीं कक्षा में होगा, तो मैं उसे मुझे हराने दूँगी। लेकिन मैं उनके साथ काम करने की कोशिश कर रहा था।

जब आपका बच्चा लगभग सातवीं कक्षा का हो, तो दाहिना हाथ और बायां हाथ होता है। कौन सा हाथ है कमजोर? उनका बायां हाथ कमजोर है। इसलिए मूलतः मैं उसके बाएँ हाथ का विकास करना चाहता था। तो मैं जो करूँगा वह यह कि उसे बाईं ओर जाने के लिए मजबूर करने के लिए उसका हाथ विकसित करने के लिए उसे एक तरफ धकेलें। तो हम बाहर खेल रहे हैं और मेरा यह छोटा बच्चा, यह सातवीं कक्षा का बच्चा अपने पिता की ओर देख रहा है और मैं उसे बाईं ओर जाने के लिए मजबूर करने के लिए स्थिति प्राप्त करने की कोशिश कर रहा हूँ। वह इस तरह जाता है। उसने वास्तव में मुझे धोखा देने की कोशिश की। बच्चे ने मुझे धोखा देने की कोशिश की जैसे वह कोई शॉट लेने जा रहा हो या कुछ और। उसने वास्तव में अपने पिता को धोखा देने के लिए एक नकली चीज़ फेंकी थी। धोखेबाज छोटा बदमाश! मैं उसे पकड़ने के लिए ऊपर जाता हूँ लेकिन फिर वह मेरे चारों ओर आ जाता है। पिता को धोखा देना सबसे बुरा धोखा है। उसने मुझसे झूठ बोला। क्या धोखा देने का इरादा था? क्या उसके पिता को धोखा देने का इरादा था? धोखा देने का इरादा था।

अब प्रश्न: आप हंसते हैं क्योंकि आप बास्केटबॉल में कहते हैं, क्या धोखा देने का इरादा रखना ठीक है? सच तो यह है कि अधिकांश गेम में नकली चीजें फेंकी जा रही हैं। फुटबॉल का हिस्सा भी ऐसा ही है। आप उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि आप एक तरफ जा रहे हैं लेकिन आप दूसरी तरफ वापस चले जाते हैं। वैसे, क्या युद्ध में भी ऐसा ही होता है? अमेरिका कुवैत में जा रहा है। हमारे पास हमारे सभी सैनिक हैं और हमारे सभी सैनिक इस तरह से जा रहे थे और फिर सोचो क्या? जनरलों ने उन्हें नकली बना दिया क्योंकि वे बिल्कुल उसके विपरीत रास्ते पर चले गए जैसा कि वे जाना चाह रहे थे। क्या वह

युद्ध का हिस्सा है? आप ऐसा दिखावा करते हैं जैसे कि आप एक काम करने जा रहे हैं और वास्तव में आप दूसरे रास्ते पर चले जाते हैं। तो यह युद्ध का हिस्सा है।

आपको हिब्रू दाइयों के मामले में खुद से पूछना होगा कि क्या जब कोई बच्चों को मारने जा रहा हो तो झूठ बोलना ठीक है? मुझे इसे दूसरे संदर्भ में रखने दीजिए। मान लीजिए कि आप जर्मनी या हॉलैंड में हैं और आपके तहखाने में यहूदियों का एक समूह है और नाज़ी आपके दरवाजे पर आते हैं और कहते हैं, "क्या आपके यहां यहूदी रहते हैं?" खैर, मैं एक ईसाई हूँ और मैंने कभी झूठ न बोलने की शपथ ली है। "हाँ, वे नीचे तहखाने में ठीक हैं।" तो वह आदमी आपसे सामने पूछता है: क्या आपको वहां यहूदी मिल गए हैं? आप कहें, "हाँ, वे वहीं हैं।" क्या यह कोई बड़ा अत्याचार है जिसमें आपने भाग लिया? क्या आप कहेंगे, "क्या तुम रुकोगे, मैं जाकर उन्हें ले आऊंगा"? युद्ध के संदर्भ में भी आपकी यही बात है। जब वे किसी को मारने निकलते हैं तो क्या आप धोखा देते हैं? क्या वह उद्धरण "गेम" का हिस्सा है? आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट, क्या आप कह रहे हैं कि हर बार झूठ बोलना ठीक है?" इससे यह दावा सामने आता है: क्या ईश्वर झूठ बोलने वालों को आशीर्वाद देता है? और उत्तर है: क्या ईश्वर ने हिब्रू दाइयों को आशीर्वाद दिया? हाँ वह था। क्या वे ईश्वर से डरते थे? क्या इसीलिए उन्होंने ऐसा किया? उन्होंने जो किया वह इसलिये किया क्योंकि वे परमेश्वर से डरते थे। यह वैसा ही है जैसे कोई आपके दरवाजे पर आकर कहे कि मैं आपके परिवार को मार डालूंगा, आपके बेटे कहां हैं; वे कहां हैं? और आप कहते हैं, "ठीक है, वे वहाँ बिस्तर में छिपे हुए हैं।" यह अच्छा नहीं है। आप कहते हैं, "नहीं, मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ और आप उन्हें कुछ अलग बताने जा रहे हैं।"

क्या इसका मतलब पूर्ण सापेक्षतावाद है? आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट क्या आप नैतिकता के प्रति खुल रहे हैं कि स्थिति निर्धारित करती है कि क्या सही है और क्या गलत?" क्या बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है कि झूठ बोलना गलत है? क्या बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है "तुम झूठ नहीं बोलोगे"? क्या बाइबल संपूर्ण धर्मग्रन्थ में ऐसा कहने में सुसंगत है? क्या सत्यनिष्ठा और ईमानदारी वास्तव में महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं? हालाँकि, यह कहने के बाद, क्या जीवन के संरक्षण में कुछ ऐसे संदर्भ हैं जिनके लिए आप भ्रामक रणनीति का

उपयोग करते हैं? हाँ। क्या युद्ध उन संदर्भों में से एक है? मूलतः आपको जो मिला है वह यह है कि यहां पहले फिरौन के साथ युद्ध चल रहा था। इसलिए मुझे लगता है कि हिब्रू दाइयों के साथ बात सही थी। भगवान इसे देखते हैं और उन्हें आशीर्वाद देते हैं। इसलिए मैं यह कह रहा हूँ कि यह कहने से बहुत ज्यादा परेशानी नहीं होगी, "ओह, मैंने अपनी मां से झूठ बोला क्योंकि वह वास्तव में गुस्सा होने वाली थी और मैं उसे बुरा महसूस नहीं कराना चाहता था इसलिए मैंने उससे झूठ बोला।" उसे खुद से बचाएं।" ठीक है, वह बैलोनी का एक गुच्छा है। मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि आपको संदर्भ को ध्यान में रखना होगा। आप संदर्भ का महत्व देखते हैं। इब्रानी दाइयों ने परमेश्वर के भय से फिरौन को धोखा दिया, और इसके परिणामस्वरूप उन्हें आशीष मिली।

ओ. नील नदी और मूसा [56:28-60:34]

अब आखिरी बात, यहां क्या होता है? आइए इसके माध्यम से आगे बढ़ें। फिरौन कहता है, "ठीक है, यह छोटी चीज़ कहीं नहीं जाएगी। आइए दाइयों को ऐसा न करने दें। आइए नर शिशुओं को नदी में फेंक दें।" अब जैसे, क्या नील नदी एक देवता है? तो बच्चों को नदी में फेंकना, क्या नील नदी में जीव-जन्तु हैं? तुम बच्चों को वहाँ फेंक देते हो, क्या बच्चे असहाय हैं? बच्चे असहाय हैं। आप उन्हें नदी में फेंक देते हैं और बच्चा डूबने वाला है और यदि वह नहीं डूबता है तो मगरमच्छों में से एक या उनके पास जो कुछ भी है वह उन्हें ले जाएगा। क्या नील नदी में मैनेटीज़ हैं, क्या आप जानते हैं? मैं नहीं जानता कि अब आपने मुझे इस मनहूस चीज़ पर पकड़ लिया है। लेकिन जैसे भी बच्चे मर जायेंगे।

अब यहाँ वास्तव में अच्छी बात यह है कि फिरौन शिशुओं को नष्ट करने के लिए नील नदी का उपयोग कर रहा था। भगवान नील नदी का उपयोग कैसे करते हैं? क्या परमेश्वर ने मूसा को छुड़ाने के लिए नील नदी का उपयोग किया? वही चीज़ जिसे फिरौन शिशुओं को नष्ट करने के लिए उपयोग करने की कोशिश कर रहा था, ईश्वर ने उसे बदल दिया और उसका उपयोग तब किया जब मूसा नदी में तैर गया, विशेष डिलीवरी, सीधे फिरौन की बेटी की बाहों में। क्या तुम्हें याद है कि उन्होंने किस प्रकार यह कहते हुए यह सन्दूक बनाया, और उस पर तारकोल लपेटकर उसमें मूसा को रख दिया। वह नदी के नीचे चला जाता है

और फिरौन की बेटी बक्सा उठाती है और वह कहती है, "मैं इस बच्चे को पानी से बाहर निकाल रही हूँ।" इसलिए वह उसे "ड्रॉन आउट" नाम देती है जिसका मतलब है कि जो बाहर निकाला गया है वह मोशे है। मोशे तुम लोगों के लिए मूसा है। तो "मूसा" का अर्थ है "खींचा हुआ।" उसका नाम मूलतः "पानी से निकाला गया" है और उसका नाम "मूसा" हो गया। वह उसे उठाती है और कहती है, "यह हिब्रू बच्चों में से एक होगा।" अब, उसे कैसे पता चला कि यह एक हिब्रू बच्चा था? क्या यह संभव है कि उसे उस प्रकार के कपड़े में लपेटा गया था जिसे इब्रानियों ने बनाया होगा? संभव है कि उसे अलग-अलग संस्कृतियों से अलग एक विशिष्ट कपड़े में लपेटा गया हो। यह संभव है। क्या यह भी संभव है कि अन्य संभावनाएँ भी थीं? हाँ। वह बच्चे को उठाती है और कहती है, "हे पवित्र गाय, इस बच्चे का खतना पहले ही हो चुका है।" इसलिए हो सकता है कि उसने इसे यहूदियों से जोड़ा हो।

अब कौन खड़ा है और कहता है, "मैं तुम्हारे लिए उस बच्चे की देखभाल कर सकता हूँ? तुम्हें एक दाई की जरूरत है?" हाँ, मरियम, मूसा की बड़ी बहन। यहां सुझाव यह है कि फिरौन की बेटी ने सुझाव दिया होगा कि नदी देवता ने उसे अभी-अभी प्रदान किया था और शायद वह बंजर थी या नील नदी की देवी या देवता ने उसे यह बच्चा दिया था। यह एक संभावित संभावना की तरह लगता है कि उसने इसे अपने दृष्टिकोण से कैसे समझा होगा। अब हम जानते हैं कि यह यहोवा ही था जिसने उसे सीधे वहाँ भेजा था। क्या आप यह दिखाई दे रहा है? मैं इसे फिर से सामने लाने की कोशिश कर रहा हूँ। क्या आप ईश्वर को देखते हैं जो बुराई को दूर करके अच्छाई में बदल रहा है? वह महत्वपूर्ण क्यों है? जब आपका जीवन टूट रहा है , और आपके साथ वास्तव में बुरी चीजें हो रही हैं, तो मैं आपको बताना चाहता हूँ कि भगवान उस बुरी चीज को ले सकते हैं और उसे कुछ साल दे सकते हैं और भगवान आपके जीवन में आपके साथ हुई सबसे बुरी चीज को ले लेंगे और अचानक इसे हमेशा के लिए बदल दें। आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांड्ट, यह नहीं हो सकता कि यह चीज़ मेरे लिए इतनी बुरी है," लेकिन मैं आपको आपके जीवन की कुछ सबसे बुरी चीज़ों के बारे में बताना चाहता हूँ, भगवान पलट देंगे और वे वास्तव में वे चीज़ें होंगी जो सबसे महत्वपूर्ण बन जाती हैं आपके लिए मुक्ति प्रक्रिया। मैं यह अभी कहता हूँ और हम अपने परिवार में

ऐसी स्थितियों से गुजर रहे हैं और मैंने इसे बार-बार घटित होते देखा है। इसलिए जब वास्तव में बुरी चीजें होने लगती हैं, तो मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि ऊपर देखना शुरू कर दें क्योंकि भगवान काम कर रहे हैं। अब हो सकता है कि आप इसे न समझें और सच कहें तो आप दो या तीन साल या उससे भी अधिक समय तक नहीं समझ पाएंगे, लेकिन भगवान काम कर रहे हैं और जब आपदा आती है तो देखते हैं। असलान आगे बढ़ रहा है।

पी. मूसा के जीवन के तीन चरण [60:35-63:30]

अब मूसा के जीवन के तीन चरण। ये काफी सीधे हैं। पहले चालीस वर्षों तक, मूसा का पालन-पोषण शुरू में उसके अपने परिवार ने ही किया। तो उसकी बहन मरियम द्वारा उसे प्रशिक्षित किया गया होगा। वे इब्री थे और वे लेवी थे। संभवतः उसके वयस्क हो जाने के बाद आपको ये संस्कार मिलते हैं। क्या आप जानते हैं कि मैं इन अनुष्ठानों के बारे में क्या बात कर रहा हूँ? यहूदी बच्चों के लिए किशोरावस्था के दौरान के संस्कार - क्या आपने कभी बार मिट्ज्वा के बारे में सुना है? आपमें से कुछ लोगों ने पुष्टिकरण प्राप्त कर लिया होगा-- क्या कोई पुष्टिकरण से गुजरा है? आप जानते हैं कि बारह या तेरह साल की उम्र में आपका वयस्क दुनिया में स्वागत किया जाता है। तो इन संस्कारों के माध्यम से बच्चे से वयस्क तक की गति होती है। वैसे, क्या अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग संस्कार होंगे? इसलिए उसे फिरौन की बेटी ने अपने बेटे के रूप में पाला, या पाला। क्या वह बहुत पढ़ा-लिखा रहा होगा? क्या उसे मिस्र के ज्ञान साहित्य में प्रशिक्षित किया गया होगा? हाँ। मूसा बहुत उच्च प्रशिक्षित रहा होगा। क्या उसका पालन-पोषण उसके परिवार द्वारा या फिरौन की बेटी द्वारा किया जा रहा है? उत्तर है, हाँ। वे दोनों सही हैं। अपने जीवन के आरंभ में उनका पालन-पोषण उनके परिवार द्वारा किया गया, लेकिन उनके वयस्क जीवन के प्रमुख भाग के लिए उनका पालन-पोषण फिरौन की बेटी द्वारा किया गया। हाँ, यह उसके जीवन का पहला चरण है - चालीस वर्ष।

वह अपने जीवन के दूसरे चालीसवें वर्ष में बाहर जाता है और मिद्यान में चरवाहा बन जाता है। अब वैसे, जब आप एक चरवाहे के बारे में सोचते हैं, तो क्या आप पहाड़ी के किनारे अपनी भेड़ों को देख रहे एक आदमी के बारे में सोचते हैं? क्या आपको एहसास है

कि यह कितना उबाऊ है? क्या आपने कभी भेड़ देखी है? मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैंने अपने जीवन में इससे अधिक मूर्ख जानवर नहीं देखा है। मैं तुम्हें ब्रैडली पामर स्टेट पार्क के ठीक नीचे ले जाऊंगा, उस आदमी के पास भेड़ें हैं। वे मूर्ख हैं। सचमुच गूंगा. नहीं, ऐसे जानवर हैं जो वास्तव में स्मार्ट हैं। क्या सचमुच स्मार्ट कुत्ते होते हैं? हाँ। वे लगभग समझ रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। भेड़ें बिल्कुल विपरीत हैं। जब आप रेगिस्तान में दिन-ब-दिन उन्हें देखते रहते हैं, तो क्या यह वास्तव में बहुत उबाऊ काम है? इसलिए जब आप इस चरवाहे वाली चीज़ के बारे में सोचें तो सावधान रहें कि आप इसे आदर्श न बना लें। यह सचमुच कठिन परिश्रम है। मूसा मिद्यान में चालीस वर्ष तक चरवाहा होकर जंगल में रहा। यहीं पर उसकी पत्नी जिप्पोरा से शादी होती है, मिद्यान में रहने के दौरान उसके कुछ बच्चे होते हैं। मिद्यान सिनाई है. यह सिनाई रेगिस्तान में है और जिस जनजाति के साथ वह है वह जेथ्रो के साथ मिद्यानियों की है जो मिद्यान का पुजारी है।

अब परमेश्वर ने उसे बुलाया और मूल रूप से उससे कहा कि रेगिस्तान से वापस जाओ और चालीस वर्षों तक उद्धारकर्ता बनो, फिर मूसा इस्राएल की भेड़ों को रेगिस्तान के माध्यम से ले जाता है। अब वह इस्राएल का चरवाहा है। इसलिए वह अपनी भेड़ों को इस्राएल के पास ले आता है और उन्हें जंगल में ले जाता है और बाहर ले आता है। तो यह नाटक विभिन्न प्रकार की भेड़ों पर है।

प्र. मूसा की पुकार [63:31-72:30]

अब, आइए देखें कि परमेश्वर के साथ मूसा का रिश्ता कैसा था और यह अध्याय तीन और चार हैं। बाइबल में बहुत से लोगों के साथ, आपको यह बुलाहट या बुलाहट मिलने वाली है, जहाँ भगवान आते हैं और एक भविष्यवक्ता को अपनी सेवा में बुलाते हैं। मूसा को परमेश्वर का बुलावा आने वाला है, और मैं बस यह देखना चाहता हूँ कि मूसा और परमेश्वर यहाँ कैसे बातचीत करते हैं।

लेकिन ऐसा करने से पहले, मैं यहां सिर्फ यह कहना चाहता हूँ कि भगवान ने पलायन क्यों किया? भगवान ने उन्हें इस समय क्यों बचाया? पाठ हमें बताता है कि भगवान नीचे आते हैं और कहते हैं कि वह उनकी प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप उनका उद्धार

करेंगे। इस श्लोक के माध्यम से मैं आपको जो सुझाव देने की कोशिश कर रहा हूँ वह मैं आपको आगे पढ़ने जा रहा हूँ वह यह है कि प्रार्थना अत्यधिक शक्तिशाली है। पूरा निर्गमन इस्राएलियों की प्रार्थना से प्रेरित है और यहाँ यह है: "प्रभु ने कहा," अध्याय 3 श्लोक 7 में, "मैंने वास्तव में मिस्र में अपने लोगों का दुख देखा है। मैंने उन्हें अपने दास चालकों के कारण चिल्लाते हुए सुना है और मुझे उनकी पीड़ा की चिंता है, इसलिए मैं उन्हें बचाने के लिए नीचे आऊंगा।" "उसने उनकी चीखें सुनीं," मदद के लिए उनकी गुहार, और वह कहता है, "मैं नीचे आऊंगा और उन्हें बचाऊंगा।" प्रार्थना से फर्क पड़ता है। भगवान सुनते हैं और नीचे आ जाते हैं।

अब, वह क्या करता है कि हमें एक उद्धारकर्ता रखना होगा। क्या कभी भी परमेश्वर की इच्छा का विरोध करना ठीक है? जब ईश्वर किसी व्यक्ति को बुलाता है तो क्या वह व्यक्ति कभी ईश्वर के बुलावे का विरोध करता है? मूसा पुराने नियम की बड़ी हस्तियों में से एक होने जा रहा है। आइए उसकी पुकार पर नजर डालें और जब भगवान उसके पास आते हैं तो वह कैसे प्रतिक्रिया करता है। कई लोग सोचते हैं कि वे कहेंगे, हे भगवान, मेरे जीवन के लिए आपकी इच्छा जो भी हो, मैं बस आपका अनुसरण करना चाहता हूँ। भगवान बस मुझे ले लो और मुझे अपनी सेवा में उपयोग करो। क्या मूसा यही कहता है?

क्षमा करें, यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा हमारे बाइबिल में कहा गया है, अध्याय 3 और श्लोक 11 में भगवान उसके पास आते हैं। आइए बस भगवान और मूसा के बीच बातचीत को देखें। परमेश्वर नीचे आता है और कहता है कि मैं अपनी प्रजा को बलवन्त भुजा और फैलाए हुए हाथ के द्वारा मिस्र से निकाल लाऊंगा; परन्तु मूसा ने परमेश्वर से कहा, मैं कौन हूँ जो इस्राएलियोंको मिस्र से निकालने के लिये फिरौन के पास जाऊँ? और भगवान ने कहा: "मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।" क्या मूसा उस पर कूद पड़ता है और कहता है, "ठीक है, भगवान चलो उन्हें मिस्र से बाहर ले आएं?" नहीं, मूसा कहता है, मैं फिरौन के पास जानेवाला कौन होता हूँ? भगवान कहते हैं, "यह मायने नहीं रखता कि तुम कौन हो, मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।" "मैं तुम्हारे साथ रहूँगा" का नाम क्या है? हिब्रू शब्द क्या है? क्या कोई किसी शब्द के बारे में जानता है? "इमैनुएल" का अर्थ है "भगवान हमारे साथ।" इसलिए जब

भगवान कहते हैं, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा" तो यह "इमैनुएल" है।

परमेश्वर कहते हैं, "मूसा मैं जानता हूँ कि तुम फिरौन के पास जाकर ऐसा नहीं कर सकते, परन्तु मैं तुम्हारे साथ आऊंगा। और मूसा ने कहा, हे परमेश्वर, यदि तू मेरे साथ है, तो मेरा विरोधी कौन हो सकता है। चल दर!" नहीं, वह ऐसा भी नहीं करता. वह फिर से पीछे हट जाता है और अगली बार वह यह कहता है: और यह अध्याय 3 श्लोक 13 और उसके बाद में है। मूसा कहते हैं, "मान लो कि मैं इस्राएलियों के पास जाऊँ और उन से कहूँ कि तुम्हारे पितरों के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, और वे मुझ से पूछें कि तुम्हारा नाम क्या है? तो फिर मैं उन्हें क्या बताऊँ?" मूसा कहते हैं, "क्षमा करें भगवान, मैं आपका नाम नहीं जानता। नमस्ते, मैं मूसा हूँ, आपका नाम क्या है? मैं बस आपका नाम नहीं जानता. अब मुझे उन्हें बताना होगा कि मुझे रेगिस्तान में कोई भगवान मिले थे। वे सोचेंगे कि मैं निर्जलित हूँ और मेरा दिमाग खराब हो गया है। वैसे आपका नाम क्या है? मैं तो आपका नाम भी नहीं जानता?" वैसे, क्या भगवान से उसका नाम पूछना कोई बड़ी बात है? हाँ।

भगवान क्या कहते हैं? सबसे पहले, एक झाड़ी है जो जल रही है और उस जलती हुई झाड़ी से यह कथन आता है। "परमेश्वर ने मूसा से कहा, 'मैं वही हूँ जो मैं हूँ।' तुम्हें इस्राएलियों से यह कहना है: मैं ही ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।" अब यह "मैं जो हूँ वही हूँ" क्या है? आप कहते हैं, "एक मिनट रुकें हिल्डेब्रांड्ट, आपको यह यहाँ मिल गया है। क्या आप मेरे लिए इसका उच्चारण कर सकते हैं? समस्या क्या है? आप इसका उच्चारण क्यों नहीं कर सकते? कोई स्वर नहीं है। अब क्या यहूदियों ने जानबूझकर स्वर छोड़ दिये ताकि उसका उच्चारण न हो सके? आपने ऐसा क्यों किया? क्या वे चाहते थे कि यहोवा का नाम उच्चारित किया जाए? नहीं, क्योंकि वे डरते हैं कि लोग तुम्हारे परमेश्वर यहोवा का नाम व्यर्थ लेंगे। इसलिए उन्होंने स्वर निकाल दिए ताकि आप इसे बोल न सकें। अब वैसे, यदि आप स्वर सम्मिलित करने जा रहे हैं, तो यहाँ एक "ए" और यहाँ एक "ई" होगा। वे "यहोवा" कहते थे। क्या किसी ने वह शब्द सुना है? "ए" यहाँ होगा इसलिए यह "यहोवा" होगा और "ई" "डब्ल्यू" और "एच" के बीच होगा। ठीक है। तो यह "यहोवा" होगा। "डब्ल्यू" "वी" की तरह लग सकता है। और यह भगवान का सबसे पवित्र नाम है. यह "मैं वह हूँ जो मैं हूँ" नाम है, और हम एक मिनट में इस

पर गौर करेंगे।

अब, मूसा को परमेश्वर का सबसे पवित्र नाम प्राप्त होता है: "मैं वह हूँ जो मैं हूँ।" क्या मूसा ईश्वर का अनुसरण करता है? नहीं, वह दूसरा बहाना बनाता है। वह कहता है, "अरे, यदि मैं वहां जाऊं," अध्याय 4 पद 1, मूसा ने कहा, "क्या होगा यदि वे मुझ पर विश्वास न करें या मेरी बात न सुनें और कहें कि प्रभु ने तुम्हें दर्शन नहीं दिया?" "तुम्हारे हाथ में क्या है?" मूसा कहते हैं, "मेरे पास एक छड़ी है, एक लाठी है।" भगवान कहते हैं, "इसे जमीन पर फेंक दो।" उस स्टाफ का क्या होगा? वह साँप बन जाता है।

अब जब वह मिस्र जाएगा तो क्या होगा? जादूगर क्या करने जा रहे हैं? वे वही काम करने जा रहे हैं। कौन सा साँप दूसरे को खा जाएगा? मूसा इसे खाने वाला है। क्या यह साँप मिस्र में एक प्रतीक है? क्या आपने कभी फिरौन की टोपी देखी है, वह टोपी जो फिरौन पहनते हैं? फिरौन की टोपी के सामने क्या निकल रहा है? यह कोबरा है, साँप है। तो यहाँ जो हो रहा है वह यह है कि यहोवा परमेश्वर और फिरौन के बीच एक शक्ति का खेल चल रहा है। फिरौन का साँप मूसा को खा जाने वाला है। तो आपके पास मूसा और फिरौन के बीच शक्ति का खेल है और भगवान मिस्र के साँप को हराने जा रहे हैं।

मूसा अभी भी हार नहीं मानेगा। इसलिए मूसा आगे शुरू करता है, वह शुरू करता है "बबबबट।" "GGGGहे भगवान, मैं बहुत अच्छे से बात नहीं कर सकता।" बहुत से लोग सोचते हैं कि मूसा हकलाने वाला था; कि वह ठीक से बात नहीं कर पाता। कुछ लोग सोचते हैं कि वह हकलाने वाला है, जबकि अन्य सोचते हैं कि वह अलंकारिक कौशल के बारे में बात कर रहा था, वह बहुत देर तक भेड़ों से बात करता रहा है और उसे एहसास होता है कि जब आप फिरौन के दरबार में जाते हैं तो आपके पास अलंकारिक कौशल होना चाहिए और उसके सभी अलंकारिक कौशल बहुत पहले ही खत्म हो चुके थे। तो यह उन दोनों में से कोई एक है।

तब परमेश्वर उसके पास आता है और कहता है, "मूसा, तेरा मुँह किसने बनाया? मैंने तुम्हारा मुँह बना दिया है और अगर मैं चाहूँ तो गधे से भी बात करा सकता हूँ।" लेकिन मूसा ने फिर भी हार नहीं मानी। अंत में, अध्याय 7 में मूसा कहता है, "ठीक है, भगवान, मैं नहीं

जाऊँगा। किसी और को भेजो।” फिर, क्या आप मूसा के प्रतिरोध और अनिच्छा को देखते हैं? वह परमेश्वर का अनुसरण करने में इतना अनिच्छुक है कि मैं यही कह रहा हूँ। उन लोगों से सावधान रहें जो दावा करते हैं कि वे सिर्फ भगवान का अनुसरण करने जा रहे थे और उनकी इच्छा को अपने दिल की इच्छा के रूप में पूरा करेंगे। यहाँ मूसा अब तक के सबसे महान व्यक्तियों में से एक है और क्या आप देखते हैं कि वह क्या कर रहा है? मैं बस इतना ही कह रहा हूँ कि सावधान रहें, आज हमारी संस्कृति में बहुत अधिक डींगें हांक रही हैं। जब कोई व्यक्ति वास्तविक ईश्वर का सामना करता है तो आप यह नहीं कहते, "हाँ।" मैं इसे करूँगा। दरअसल, आपके जूते उतरे हुए हैं और आपका चेहरा ज़मीन पर है। तो उससे सावधान रहें.

मूसा कहते हैं, " किसी और को भेजो।" भगवान क्या करता है? "अरे, मूसा तुम्हारा एक भाई है, हारून। वह अब आपसे मिलने जा रहा है। मैं जानता हूँ कि तुम ठीक से बोल नहीं पाते. तो मैं आपको बताने जा रहा हूँ कि आप क्या करने जा रहे हैं। हे मूसा, तुम हारून से बात करनेवाले हो। तब हारून तुम्हारा भविष्यवक्ता होगा।" इसका क्या मतलब है? वह एक ढांचा खड़ा कर रहा है. जैसे ईश्वर नबी से बात करता है और नबी लोगों से बात करता है। इसलिए अब मूसा हारून से बात करेगा और हारून लोगों से बात करेगा। तो यह हमें बताता है कि भविष्यवक्ता की भूमिका क्या है। भविष्यवक्ता की भूमिका परमेश्वर का वचन बोलना है। अब, मूसा हारून के लिए परमेश्वर के समान होगा और हारून बोलने वाला है। जैसे ही आपको यह भविष्यवाणी संरचना मिलती है और हारून मूसा के भविष्यवक्ता की तरह बनने जा रहा है।

आर. यहोवा का अर्थ: "मैं जो हूँ वह हूँ" [72:31-76:30]

अब यहां झाड़-झंखाड़ होता है. झाड़ी जल रही है लेकिन झाड़ी जली नहीं है। तो क्या होता है? वह जलती हुई झाड़ी के पास आता है और क्या होता है? आप पवित्र भूमि पर खड़े हैं, अपने जूते उतार दीजिए आप पवित्र भूमि पर हैं। जब हम लेवितिकस की पुस्तक पढ़ेंगे तो हम पवित्रता का अध्ययन करेंगे, लेकिन मूल रूप से यह एक पवित्र स्थान है। यह एक विशेष स्थान है क्योंकि यह भूमि पवित्र है। "अपने जूते उतारो, तुम पवित्र भूमि पर हो।" अब,

इस "मैं वह हूँ जो मैं हूँ" का क्या मतलब है? मैं जिस चीज़ से जूझना चाहता हूँ वह यह है कि भगवान का सबसे पवित्र नाम, यहोवा नाम है, इसका क्या अर्थ है? तीन सुझाव: नाम एएनई से आया है। यदि मैं एएनई कहूँ, तो क्या आप सभी जानते हैं कि वह क्या है? प्राचीन निकट पूर्व. पुराने नियम के विद्वान, प्राचीन निकट पूर्व के लिए इस संक्षिप्त नाम का उपयोग करते हैं। क्या नाम प्राचीन निकट पूर्व के आयाम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं? क्या नामों का कोई अर्थ होता है? अब्राहम से अब्राहम, जैकब से इज़राइल, जोसेफ का नाम जोसेफ, मूसा का अर्थ "बाहर निकालना" था। उस समय नामों का कुछ मतलब होता था और भगवान उसे अपना सबसे पवित्र नाम दे रहे हैं।

कुछ लोग सोचते हैं कि भगवान के नाम का अर्थ है "मैं जो हूँ वही हूँ;" वह भगवान झाड़ी से कह रहा है "मैं वह हूँ जो मैं हूँ" कि भगवान स्वयंभू है। और "मैं जो हूँ वही हूँ" अर्थात् झाड़ी में आग लगी है लेकिन झाड़ी नहीं जलती। परमेश्वर को आग बनकर झाड़ी को भस्म करने की आवश्यकता नहीं है। ईश्वर अपने भीतर एक अग्नि है; उसे कुछ नहीं चाहिए. अब वैसे, क्या हमें अपने अस्तित्व के लिए कुछ चाहिए? आइए पानी और भोजन से शुरुआत करें। हमें अपने अस्तित्व के लिए कुछ चाहिए; ईश्वर को अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं है। वह स्वयंभू है; वह वही है जो वह है। "मेरा व्यक्तित्व ऐसा ही है;" उसे किसी चीज़ की ज़रूरत नहीं है, इसे लेने का यही एक तरीका है।

इसे लेने का दूसरा तरीका, डेविड फ्रीमैन है, यह लड़का हार्वर्ड और मिशिगन विश्वविद्यालय से बाहर था, वह संप्रभुता का दृष्टिकोण रखता है। वह इसे हिब्रू में अपूर्ण काल के रूप में लेता है। इसका शाब्दिक अनुवाद किया जा सकता है: "मैं वही बनूँगा जो मैं बनूँगा।" मूसा ने पूछा, "तुम्हारा नाम क्या है?" और वह मूसा से कह रहा है, "मैं जो बनूँगा वही बनूँगा--तुम देखोगे कि मैं कौन हूँ।" परमेश्वर मिस्र में किए गए महान चमत्कारों से घोषित करेगा कि वह कौन है। भगवान मूसा को थोड़ा भटका रहे थे, यहां आप देखेंगे कि मैं कौन हूँ जब मैं मिस्र में ये सभी चमत्कार करूँगा। वह दूसरा दृष्टिकोण है. मैंने कहा है कि मेरी राय में इसकी संभावना शायद सबसे कम है।

तीसरी व्याख्या यह वह है जहां भगवान यहां कह रहे हैं: "मैं वही हूँ जो मैंने कहा था

कि मैं बनूंगा।" फिर यदि आप परिच्छेद का अगला भाग यहाँ पढ़ें, तो परमेश्वर ने मूसा से कहा, "मैं इस्राएलियों को, तुम्हारे पूर्वजों के परमेश्वर यहोवा, इब्राहीम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर और याकूब के परमेश्वर को बचाऊंगा।" अतः वे पितरों के देव हैं। परमेश्वर अब इब्राहीम, इसहाक और याकूब से जो वादा किया था उसे पूरा करने जा रहा है। वह अब उन्हें वादा की गई भूमि और बीज देने जा रहा है। ईश्वर वाचा का रक्षक है और ईश्वर अपना वादा निभा रहा है। तो इस नाम यहोवा या यहोवा का अर्थ है कि परमेश्वर वाचा को बनाए रखने वाला परमेश्वर है। वह अपना वचन रखता है और मूसा यह देखेगा कि परमेश्वर अब वही करेगा जो उसने वादा किया था। ईश्वर परम वचनपालक है। अब उसका नाम यहोवा/यहोवा होगा क्योंकि वह कुलपतियों के प्रति अपना वचन रखेगा।

एस. निर्गमन 6:3 विरोधाभास? [76:31-78:44]

अब, बाइबल स्वयं का खंडन क्यों करती है? निर्गमन 6 में, श्लोक 3 में यह कहा गया है, "परमेश्वर ने मूसा से यह भी कहा कि मैं प्रभु हूँ। मैं इब्राहीम, इसहाक और याकूब को सर्वशक्तिमान परमेश्वर के रूप में दिखाई दिया।" सर्वशक्तिमान ईश्वर का क्या अर्थ है? एल शादाई, क्या आपने कभी वह गाना, "एल शादाई" सुना है? वह कहता है, "इब्राहीम, इसहाक और याकूब मुझे एल शादाई के नाम से जानते थे, वे मुझे यहोवा के रूप में नहीं जानते थे। वे मेरा नाम यहोवा नहीं जानते थे।" लेकिन समस्या क्या है? जब आप उत्पत्ति 49:18 पर वापस जाते हैं, तो आप याकूब को यह कहते हुए पाते हैं: "हे प्रभु, मैं तेरे उद्धार की आशा करता हूँ।" भगवान को कैसे लिखा जाता है? पूंजी "एल", पूंजी "ओ" पूंजी "आर" पूंजी "डी"। प्रभु पूरी तरह पूंजीकृत है, यह यहोवा/यहोवा का प्रतिस्थापन है। जब यह सब बड़े अक्षरों में है, तो इसका मतलब है कि इसके पीछे हिब्रू शब्द "याहवे" है, इसलिए यह सब बड़े अक्षरों में है। वैसे, यदि यह केवल एक छोटा सा "L" है, तो इसका क्या मतलब है? इसका अर्थ है "सर" या "मिस्टर" या "मास्टर" या ऐसा ही कुछ अर्थ में स्वामी। लेकिन जैकब्स कहते हैं, "हे भगवान, मैं आपके उद्धार की आशा करता हूँ" और वह यहोवा नाम का उपयोग करता है। इसलिए यहाँ जो चल रहा है निर्गमन 6:3 हमें बताता है कि इब्राहीम, इसहाक और याकूब परमेश्वर का नाम यहोवा नहीं जानते थे, लेकिन फिर भी हम उत्पत्ति में

याकूब द्वारा यहोवा का उपयोग करते हुए देखते हैं। क्या यह पवित्रशास्त्र में विरोधाभास है? हमारे पास समय नहीं है इसलिए हम उस "विरोधाभास" को शांत रहने देंगे और अगली बार हम उससे निपट लेंगे।

टायलर बेर्यूब द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट 2 द्वारा रफ संपादित